संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 30
पृष्ठ 8
गुरुवार
17 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नवजात में बच्चों में ...

विचार- वन संरक्षण के देसी...

खेल- कामरान गुलाम डेब्यू ....

आतंकवाद और व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते

इस्लामाबाद में जयशंकर ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में आयोजित की जा रही शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने संबोधन में एक बार फिर पाकिस्तान पर निशाना साधा। पाकिस्तान का नाम लिए बगैर विदेश मंत्री ने कहा कि अगर आतंकी घटनाएं जारी रहेंगी तो फिर व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। इस तरह जयशंकर ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को उसी के घर में लताड़ लगाई। शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर दिए अपने संबोधन में भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि 'हम ऐसे समय मिल रहे हैं, जब दुनिया संकटों से गुजर रही है। दो बड़े संघर्ष चल रहे हैं और उनका पूरे विश्व पर नकारात्मक असर हो रहा है। कोरोना महामारी ने कई विकासशील देशों को बुरी तरह प्रभावित किया। साथ ही जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति श्रृंखला की

अनिश्चितता और वित्तीय कमजोरी विकास को प्रभावित कर रही है।' विदेश मंत्री ने एससीओ देशों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने, विश्वास, दोस्ती और अच्छे पड़ोसी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि एससीओ संगठन के सामने आतंकवाद, अलगाववाद और कट्टरपंथ से लड़ने की साझा चुनौती है। पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अगर विश्वास की कमी है या सहयोग पर्याप्त नहीं है। दोस्ती कम हो गई है और अच्छे पड़ोसी की भावना गायब है तो निश्चित रूप से आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। साथ ही यह तभी संभव है जब हम पूरी ईमानदारी से चार्टर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें, तभी हम आपसी सहयोग और प्रतिबद्धता के फायदों को पूरी तरह से महसूस कर सकते हैं। यह सिर्फ हमारे फायदे के लिए नहीं है। दुनिया आज बहु-ध्रुवीयता की तरफ बढ़ रही है। वैश्वीकरण और पुनर्संतुलन ऐसी वास्तविकताएं हैं, जिन्हें नकारा नहीं जा सकता। इन्होंने निवेश, व्यापार, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग के अवसर पैदा किए हैं। अगर हम इसे आगे बढ़ाते हैं तो इससे हमारे क्षेत्र को बहुत फायदा होगा। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि शविकास और तरक्की के लिए शांति और स्थिरता जरूरी हैं। अगर सीमा पर आतंकवाद होगा, अलगाववाद और कट्टरपंथ होगा तो फिर व्यापार, ऊर्जा, कनेक्टिविटी और लोगों के लोगों से संबंधों को बढ़ावा देना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि श्औद्योगिक सहयोग से प्रतिस्पर्धा और श्रम बाजार का विस्तार हो सकता है। छोटे और मध्यम उद्योगों के बीच सहयोग से रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। बड़े नेटवर्क से औद्योगिक समुदाय को फायदा होता है। आपसी जुड़ाव नए रास्ते खोल सकता है। लॉजिस्टिक एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। साथ ही पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य क्षेत्र, खाद्य और ऊर्जा में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। साथ ही संस्कृति, शिक्षा और खेल में भी काफी विकास हो सकता है और हम मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं।

भारत सरकार द्वारा शुरू की गई पहल से एससीओ से प्रेरणा लेने की अपील की

विदेश मंत्री ने भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए वैश्विक अभियानों जैसे इंटरनेशनल सोलर अलायंस, मिशन लाइफ, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण के क्षेत्र में किए जा रहे कामों को भी एससीओ से आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'योग और मोटे अनाज को लेकर भारत सरकार की पहल से पर्यावरण को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस, इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस से जैव विविधता की सुरक्षा की जा सकती है। भारत में हमने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की अहमियत को प्रदर्शित किया है, साथ ही हमने महिला आधारित विकास के प्रभाव को भी दिखाया है।'

केंद्र सरकार का किसानों को तोहफा

छह फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बुधवार को किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने रबी की फसलों के लिए न्यूयनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी में इजाफा किया है। इस फैसले का मकसद किसानों को उनकी उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने मार्केटिंग सीजन 2025–26 के दौरान रबी फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दी है। कैबिनेट समिति की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज इसकी घोषणा की। एक अधिसूचना जारी कर सरकार ने बताया कि गेहूं के लिए एमएसपी 2275 रुपये से बढ़ाकर 2425 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। वहीं, जौ का एमएसपी 1850 रुपये से बढ़ाकर 1980 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। चने पर एमएसपी 5440 रुपये से बढ़ाकर 5650 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। दाल (मसूर) पर एमएसपी 6425 रुपये से बढ़ाकर 6700 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। सरसों पर एमएसपी 5650 रुपये से बढ़ाकर 5950 रुपये प्रति क्विंटल की गई। वहीं, सूरजमुखी पर एमएसपी 5800 रुपये से बढ़ाकर 5940 रुपये प्रति क्विंटल की गई है।

48 लाख कर्मियों और 67 लाख पेंशनरों को मिला 3प्रतिशत महंगाई भत्ता

केंद्र सरकार में लगभग एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते 'डीए' एवं महंगाई राहत 'डीआर' में तीन फीसदी वृद्धि की सौगात मिली है। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने डीए की दरों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर मुहर लगाई है। पहली जुलाई से देय महंगाई भत्ते की दर अब 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद हुई प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी है।

पिथौरागढ़ में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

पिथौरागढ़, एजेंसी। उत्तराखंड में पिथौरागढ़ के मुनस्यारी में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। प्रशासन का कहना है कि खराब मौसम के चलते इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ राज्य के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे भी मौजूद थे। दोनों अधिकारियों को फिलहाल नजदीकी गेस्ट हाउस ले जाया गया है। किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। हेलीकॉप्टर मिलम की तरफ जा रहा था। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि 15 अक्टूबर को ही मुख्य चुनाव आयुक्त ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों की घोषणा की थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने ईवीएम से जुड़े सवालों पर भी जवाब दिए थे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया था, झारखंड में विधानसभा चुनाव दो चरण में संपन्न होगा। पहले चरण में 43 सीटों पर मतदान 13 नवंबर और दूसरे चरण में 38 विधानसभा सीटों पर मतदान 20 नवंबर को होगा। मतगणना 23 नवंबर को होगी। उन्होंने कहा था, झारखंड में कुल मतदाताओं की संख्या 2.6 करोड़ है, जिनमें से 1.31 करोड़ पुरुष और 1.29 करोड़ महिला मतदाता हैं। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की संख्या 11.84 लाख है। झारखंड में इस बार चुनाव में 29,562 पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा था कि महाराष्ट्र में चुनाव एक चरण में संपन्न होगा। राज्य की 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को चुनाव होगा, जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी। उन्होंने कहा था, महाराष्ट्र में कुल मतदाताओं की संख्या 9.63 करोड़ है, जिनमें से 4.97 करोड़ पुरुष और 4.66 करोड़ महिला मतदाता हैं। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की संख्या 20.93 लाख है। इसके अलावा महाराष्ट्र में 1,00,186 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे, पिछली बार की तुलना में इस बार भी हम पीडब्ल्यूडी और महिलाओं से संचालित बूथ को बनाएंगे।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में तृणमूल कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर में एक स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या के बाद तनाव फैल गया है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान प्रदीप दत्ता के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दत्ता जब सुबह की सैर पर निकले थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाई। जिला पुलिस अधिकारी ने बताया, हमलावरों ने दत्ता पर नजदीक से सात गोलियां चलाई। बताया जा रहा है कि गोली चलने की आवाज सुनकर स्थानीय लोग अपने घर से बाहर निकले और देखा कि दत्ता का शरीर खून से लथपथ था। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बहरामपुर पुलिस स्टेशन से बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा है। वहीं पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है और हत्या के पीछे का कारण जानने की कोशिश कर रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं हमलावरों की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच की जा रही है। जिला पुलिस अधिकारी ने बताया, हम घटना के बारे में अधिक जानकारी हासिल करने के लिए स्थानीय लोगों से पूछताछ भी कर रहे हैं। इस बीच, मुर्शिदाबाद जिले के डोमकल में एक अलग घटना में बुधवार सुबह देसी बम विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। विस्फोट इतना जोरदार था कि मृतक का शरीर टुकड़ों में बिखर गया। मृतक की पहचान मोमिन मंडल के रूप में हुई है। पुलिस ने शव के टुकड़ों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जिला पुलिस सूत्रों ने बताया कि विस्फोट संभवतः उस समय हुआ जब मृतक देसी बम बनाने का काम कर रहा था।

राज्यपाल से मिले नायब सिंह सैनी, सरकार बनाने का दावा किया पेश

अमित शाह भी रहे मौजूद

हरियाणा, एजेंसी। हरियाणा के कार्यवाहक सीएम नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। उनके साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री–पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय मंत्री और हरियाणा के लिए भाजपा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान मौजूद रहे। इस दौरान भाजपा नेताओं ने विधायकों का समर्थन पत्र राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को सौंपा है। जानकारी के मुताबिक हरियाणा भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद सैनी कल 17 अक्टूबर को दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। सैनी को समर्थन देने वाले तीन निर्दलीय विधायक भी राजभवन पहुंचे थे। इन निर्दलीय विधायकों में सवित्री जिंदल, देवेन्द्र कादयान और राजेश दून शामिल हैं। इससे पहले आज,

नायब सिंह सैनी को सर्वसम्मति से और निर्विरोध रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल का नेता चुना गया। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और पूर्व राज्य मंत्री अनिल विज ने हरियाणा के पंचकुला में आयोजित विधायक दल की बैठक में सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा। बैठक को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, हरियाणा ने देश के राजनीतिक पंडितों को गलत साबित करके लगातार तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनाकर इतिहास रचा है। भाजपा ने चुनावों के दौरान संकेत दिया था कि मार्च में मुख्यमंत्री के रूप में मनोहर लाल खट्टर की जगह लेने वाले और अन्य पिछड़ा वर्ग से आने वाले सैनी, अगर जीतते हैं तो शीर्ष पद के लिए उनकी पसंद होंगे। विधानसभा चुनावों में, पार्टी ने 48 सीटों के साथ अपनी सर्वश्रेष्ठ जीत दर्ज की, जो कांग्रेस से 11 अधिक है। जेजेपी और आप का सफाया हो गया और इनेलो सिर्फ दो सीटें जीतने में सफल रही।

इजराइली राजदूत अयोध्या में राम मंदिर पहुंचे, नजारा देखते ही कहा, शानदार

अयोध्या, एजेंसी। भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार बुधवार सुबह अपनी पत्नी के साथ अयोध्या में राम मंदिर पहुंचे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अजार मंगलवार देर शाम ही अयोध्या पहुंच गए थे और बुधवार सुबह राम मंदिर का दौरा करने के बाद पड़ोसी जिले बस्ती में एक कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अजार के साथ मुलाकात की थी जिसमें उत्तर प्रदेश और इजराइल के बीच ''गहरे संबंधों पर चर्चा की गई। सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार के साथ एक अत्यंत उपयोगी और सार्थक चर्चा हुई। यह बैठक आपसी हितों के क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश और इजराइल के बीच गहरे संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है।

कच्ची कॉलोनियों में रहने वालों को अब बिजली कनेक्शन बिना एनओसी के मिलेगा : आतिशी

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने दिल्ली की कच्ची कॉलोनी में रहने वालों को बड़ी राहत देते हुए यह घोषणा की है कि अब उन्हें बिजली कनेक्शन बिना एनओसी के भी मिलेगा। आतिशी ने बताया है कि दिल्ली में 1731 कच्ची कॉलोनियां हैं और दस साल पहले यहां बहुत बुरा हाल था। लेकिन जब अरविंद केजरीवाल की सरकार बनी तो यहां तमाम

सुविधाएं दी गई और यहां रहने वाले लोगों का जीवन सुलभ हो गया। मगर पिछले एक साल से यहां रहने वाले लोगों को भाजपा की डीडीए की वजह से बिजली कनेक्शन लेने में दिक्कत आ रही है। डीडीए ने आदेश जारी किया कि बिना डीडीए की एनओसी के 1731 कच्ची कॉलोनियों में रहने वालों को बिजली कनेक्शन नहीं मिलेगा। आतिशी ने बताया कि अब दिल्ली की आप सरकार ने फैसला लिया है कि इन 1731 कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को बिजली कनेक्शन और मीटर के लिए किसी भी तरह की एनओसी की जरूरत नहीं होगी। इस बारे में डिस्कॉम को आदेश दे दिये गये हैं।

भारत के नये नियमों ने वैज्ञानिक एवं नैतिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया: अनुप्रिया

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया सिंह पटेल ने बुधवार को कहा कि भारत के नए नियमों और विनियामक प्रक्रियाओं ने वैश्विक अपेक्षा और

अंतर्राष्ट्रीय मांग के अनुरूप वैज्ञानिक और नैतिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया है। श्रीमती पटेल ने यहां 19वें अंतर्राष्ट्रीय औषधि विनियामक प्राधिकरण सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि विनियमन के क्षेत्र में भारत के प्रयासों से दुनिया भर के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम मिल सकते हैं। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी.के. पॉल भी उपस्थित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) देश में पहली बार यह कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक देशों के नियामक प्राधिकरण, नीति निर्माता और स्वास्थ्य अधिकारी भाग ले रहे हैं। श्रीमती पटेल ने देश में शुरू किए गए नए नियमों और नियामक प्रक्रियाओं पर जोर दिया।

हमले की घटना में मारपीट का मुकदमा लिखने पर इंस्पेक्टर निलंबित, पुलिस कमिश्नर ने की कार्रवाई

प्रयागराज। कौंधियारा के जारी बाजार में व्यापारी पर जानलेवा हमले के मामले में मारपीट का मुकदमा लिखना कौंधियारा थाना प्रभारी को महंगा पड़ गया। उन्हें मंगलवार को निलंबित कर दिया गया। पांच नामजद आरोपी गिरफ्तार भी किए गए हैं। उधर, निजी अस्पताल में भर्ती घायल व्यापारी अनिल केशरवानी की हालत नाजुक बनी हुई है। इस मामले को लेकर सोमवार शाम जारी पुलिस चौकी के बाहर घंटों हंगामा हुआ था। स्थानीय व्यापारियों ने बाजार बंद कर दिया था और परिजनों संग मिलकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की थी। रामलीला के साथ दशहरा मेला भी स्थगित कर दिया गया था। मौके पर डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र ने पहुंचकर आक्रोशित लोगों को समझाया, तब जाकर वे शांत हुए थे। परिजनों ने स्थानीय पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए थे। कहा था कि पुलिस की शह पाकर ही आरोपियों ने घर पर चढ़कर हमले का दुस्साहस किया। सूत्रों का कहना है कि पुलिस अफसरों ने मामले का संज्ञान लेकर जानकारी की तो पता चला कि धारदार हथियारों से हमले की तहरीर देने व गंभीर चोट के बावजूद मारपीट, गालीगलौज व धमकी देने से संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। यही नहीं अफसरों के आदेश के बावजूद धाराएं नहीं बढ़ाईं, जिससे माहौल बिगड़ा। इन तथ्यों के सामने आने के बाद मंगलवार दोपहर थाना प्रभारी गणेश तिवारी को निलंबित कर दिया गया। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच का भी आदेश दिया गया है। उधर, एसआरएन अस्पताल में भर्ती घायल व्यापारी अनिल की हालत मंगलवार को और बिगड़ गई। इसके बाद परिजन उन्हें लेकर निजी अस्पताल चले गए। डीसीपी यमुनानगर ने बताया कि इस मामले में विवेचना में सामने आए तथ्यों के आधार पर हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाई गई है। साथ ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें हरिमोहन साहू व उसके बेटे फूलकुमार, किशन व वंश के अलावा माया देवी शामिल हैं। अन्य आरोपियों के संबंध में जांच पड़ताल जारी है। गौरतलब है कि मामले में सात नामजद व चार अज्ञात आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। विपक्षियों व व्यापारी पक्ष में एक जमीन को लेकर विवाद है। रविवार दोपहर व्यापारी पक्ष इस जमीन पर छत डलवा रहा था। आरोप है कि इसी दौरान विपक्षियों ने हमला किया। इसमें अनिल समेत अन्य लोग जख्मी हो गए।

प्रयागराज में बच्ची से रेप-हत्या के आरोपी को गोली मारी:

मासूम के हाथ तोड़े, बेहोश हुई तो रेप कियाय पुलिस एक चप्पल से कातिल तक पहुंची

प्रयागराज। प्रयागराज में 10 साल की बच्ची से रेप और उसकी बेरहमी से हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। घटनास्थल पर मिली चप्पल से आरोपी की पहचान हुई। इसके बाद मंगलवार रात आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने दबिश दी। आरोपी भागने लगा तो पुलिस ने दौड़ाकर उसके पैर में गोली मार दी। मुकेश की जेब से बच्ची के कान की बाली बरामद की गई है। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। एनकाउंटर स्पॉट से एक तमंचा बरामद किया। आरोपी का नाम मुकेश कुमार (29) है। 4 अक्टूबर को क्लास–2 में पढ़ने वाली मासूम की लाश खेत में मिली थी। उसके शरीर पर एक भी कपड़े नहीं थे। मामला गंगानगर क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर एक जोड़ी चप्पल मिली। इन्हीं चप्पलों के सहारे जांच आगे बढ़ाई। मुखबिर और गांव वालों से पता चला कि यह चप्पल सोरांव के मुकेश कुमार की है। वह नशे का आदी है, घटना के बाद से मुकेश कुमार का बिहेवियर बदला है। पुलिस सक्रिय हुई तो 8 दिन बाद आरोपी मुकेश घर से फरार हो गया। मंगलवार रात पुलिस को सूचना मिली कि सोरांव के जूड़ापुर हाईवे के पास मुकेश है। पुलिस पहुंची तो खुद को घिरा देख मुकेश पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगा। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जो मुकेश के पैर में लग गई। डीसीपी गंगानगर कुलदीप गुनावत ने बताया– मुकेश ने बच्ची से रेप और हत्या की वारदात कबूल की है। मुकेश ने बताया– बच्ची पहले मेडिकल स्टोर गई। इसके बाद वहां से पैदल ही दुर्गा पंडाल की ओर जा रही थी। आरोपी ने कहा– मैं उसे खेत की तरफ ले गया। कपड़े उतारने लगा तो चिल्लाने लगी। इसलिए मैंने उसे बहुत मारा। वो बेहोश हो गई। इसके बाद रेप किया, मुझे लगा कि पकड़ा जाऊंगा। इसलिए मैंने उसकी हत्या कर दी। 10 साल की मासूम बच्ची से दरिंदगी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आई। बच्ची के दोनों हाथ तोड़े गए। शरीर पर चोट के 7 निशान मिले थे। बच्ची के स्वाब की स्लाइड प्रिजर्व की गई है।

20 हजार लोगों की मुश्किलें दूर, छिवकी की सड़क तैयार: प्रयागराज में दूसरे सबसे बड़े रेलवे स्टेशन जाने की राह हुई आसान, महाकुंभ में सबसे अहम रूट

प्रयागराज। प्रयागराज के दूसरे सबसे बड़े रेलवे स्टेशन छिवकी आने–जाने वाले यात्रियों को अब परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से नैनी के मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग से छिवकी रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क बन कर तैयार हो गई है। लगभग पांच सौ मीटर लंबे सड़क जो कि दो लेन की है और इसके दोनों ओर पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ भी बनाया गया है। पूरे रास्ते रोशनी के लिए विद्युत कार्य भी पूरा हो चुका है। महाकुंभ 2025 को देखते हुए लाखों तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए पीडीए की ओर से यह सड़क तैयार की गई है। नई सड़क दो लेन की है जो 18 मीटर चौड़ी है। सड़क के दोनों ओर नाली बनी है ताकि पानी सड़क पर नहीं बहे। आम दिनों में छिवकी रेलवे स्टेशन पर रोजाना पचास जोड़ी ट्रेनें रुकती हैं। ऐसे में हर रोज 15 से 20 हजार लोगों की आवाजाही होती है। अगर महाकुंभ की बात की जाए तो देशभर से आने वाले तीर्थ यात्रियों का आंकड़ा लाखों में होगा। छिवकी रेल रूट उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र सहित दक्षिण भारत के सबसे महत्वपूर्ण रेल रूट पर पड़ता है। इस सड़क के बन जाने से आगामी महाकुंभ में आने वाले लाखों तीर्थ यात्रियों के लिए एक सौगात है।

मेडिकल के नए छात्रों से गुलजार हुआ कॉलेज परिसर

प्रयागराज। एमबीबीएस के नव प्रवेशी छात्रों से मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज परिसर मंगलवार से गुलजार हो गया। नए मेडिकल छात्रों को धनवंतरि छात्रावास आवंटित किया गया है। इस छात्रावास में डबल सीट के 75 कमरें हैं। लगभग 102 छात्रों और 90 छात्राओं को कमरे मिल चुके हैं। प्रयागराज के रहने वाले जिन छात्रों ने प्रवेश लिया है, उन्हें घर से आने–जाने की सलाह दी गयी है। छात्रों की 15 दिनों तक फाउंडेशन कोर्स की कक्षाएं चलेंगी। छात्रावास के वार्डेन डॉ. बादल सिंह ने बताया कि छात्रों के रहने के लिए सभी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गयी हैं। छात्रों को मेस में 55 रुपये प्रति थाली उपलब्ध कराई जा रही है। थाली में अतिरिक्त भोजन लेने पर कोई चार्ज नहीं लगता है। कानपुर के छात्र महेन्द्र और बस्ती के अमन शर्मा ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के पुरातन छात्र देश–विदेश में अपनी पहचान बना चुके हैं। इसलिए इस मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लिया।

माफिया अतीक के बेटे के नाम से इंस्टाग्राम पर बनाई गई प्रोफाइल, पोस्ट किए जा रहे अतीक-अशरफ के फोटो

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद का बेटा अली जेल की सलाखों के पीछे है। यहां तक कि पिता–चाचा की मौत के मामले में बयान देने की बात पर भी वह खामोशी ही ओढ़े रहा। हालांकि, उसके नाम से बनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल सोशल मीडिया पर लगातार हुंकार भर रही है। इसमें अतीक–अशरफ एंड कंपनी के साथ ही मुख्तार–शहाबुद्दीन की तस्वीरें भी शेयर की जा रही हैं, जो चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अली जुलाई 2022 से जेल में है। एक करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में उसने सरेंडर किया और तब से वह जेल में बंद है। अतीक–अशरफ हत्याकांड में न्यायिक आयोग की ओर से बुलाए जाने के बाद भी उसने बयान देने से इन्कार कर दिया। हालांकि, उसके नाम से बनी इंस्टाग्राम आईडी चर्चा का विषय बनी हुई है। अली बॉस 786 नाम से दिसंबर 2022 में बना यह अकाउंट अली के जेल जाने के बाद भी लगातार सक्रिय है।

इस पर लगातार अतीक के साथ उसके बेटों उमर, अली, अहजम व अबान के साथ भाई अशरफ की तस्वीरें, वीडियो और रील पोस्ट की जा रही हैं। खास बात यह है कि इसमें मुख्तार अंसारी और शहाबुद्दीन की तस्वीरों से बनाई गईं रील भी डाली गई हैं। इस अकाउंट से अब तक 400 से ज्यादा रील पोस्ट की जा चुकी हैं और इस पर कुल 1.33 लाख फॉलोअर हैं। इनमें से कुछ रील में शायरी भी लिखी गई है। फिलहाल यह पता नहीं चल सका है कि इस अकाउंट को कौन संचालित कर रहा है। हालांकि, शहर में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर कौन है जो अली के नाम से अकाउंट संचालित कर रहा है। एक खास बात यह भी है कि अली बॉस 786 नाम से कुल चार इंस्टाग्राम अकाउंट संचालित किए जा रहे हैं। हर अकाउंट में नाम के अक्षरों में कुछ हेरफेर है। हालांकि, सबसे ज्यादा फॉलोअर उपरोक्त अकाउंट के ही हैं। इस अकाउंट से एक यूट्यूब चौनल को भी लिंक किया गया है जो इसी साल जनवरी में बनाया गया है। इस पर अतीक एंड कंपनी के कुल 43 वीडियो पोस्ट किए जा चुके हैं।

जिस देश में बच्चियों की पूजा होती है, वहां मासूमों से दुष्कर्म की घटनाएं चिंताजनक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जिस देश में बच्चियों की पूजा होती है, वहां मासूमों संग दुष्कर्म की घटनाओं का बढ़ना चिंताजनक है। यह केवल पीड़िता ही नहीं, समाज के विरुद्ध गंभीर अपराध है। ऐसा अपराध मूल अधिकारों का हनन है। यदि सही निर्णय नहीं लिया गया तो न्याय व्यवस्था से लोगों का विश्वास उठ जाएगा। यह टिप्पणी कर न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने मुरादाबाद के चार साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी की जमानत खारिज कर दी। मुरादाबाद के कटघर थाने में अभियुक्त अहसान पर पॉक्सो व दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोप था कि उसने 21 अप्रैल 24 को एक चार साल की बच्ची को जबरन उठा ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी ने जमानत के लिए हाईकोर्ट से गुहार लगाई। आरोपी के वकील ने दलील दी कि उसे झूठा फंसाया गया है। याची 31 मई 2024 से जेल में बंद है। पीड़िता के बयान मेडिकल रिपोर्ट के विपरीत हैं। मेडिकल रिपोर्ट में अंदरूनी व बाहरी कोई चोट नहीं पाई गई, जबकि एफआईआर में शरीर पर चोटों का जिक्र किया गया है। वहीं, अपर शासकीय अधिवक्ता ने जमानत का विरोध किया और कहा –अपराध जघन्य है। आरोपी जमानत पर रिहा किए जाने लायक नहीं है।

सुरक्षा के लिए दो प्रेमी जोड़ों ने हाईकोर्ट में लगाया फर्जी प्रमाणपत्र, कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

प्रयागराज। हाईकोर्ट में सुरक्षा की गुहार लगाने पहुंचे दो प्रेमी जोड़ों ने फर्जी विवाह प्रमाणपत्र पेश किया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस की जांच में यह फर्जीवाड़ा सामने आया। इस पर दोनों जोड़ों के खिलाफ कैंट थाने में मुकदमे दर्ज किए गए हैं। चारों आरोपी युवक–युवतियां, फिरोजाबाद, इटावा, कुशीनगर व बंदायू के रहने वाले हैं। नेहा पुत्री राजकुमार निवासी ग्राम कोकिल पट्टी, दूधि दुधई, जनपद कुशीनगर व दयाशंकर पुत्र नन्हे निवासी ग्राम देवी नगला कचोरा कछौरा, पोस्ट रामजनपुर, जनपद बदायूं की ओर से हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर सुरक्षा की मांग की गई थी। उन्होंने वैदिक विवाह और धार्मिक संस्कार के पनासा, करछना स्थित केंद्र का विवाह प्रमाणपत्र लगाया था। वहां पहुंचकर पुलिस ने संस्था के मंत्री विनोद कुमार पांडेय से जानकारी ली तो उन्होंने प्रमाणपत्र फर्जी बताया। शपथपत्र भी दिया कि दो वर्ष से कोई विवाह उनकी संस्था ने नहीं कराया है और उनके रजिस्टर में भी इससे संबंधित कोई प्रविष्टि नहीं है। इसी तरह शिवानी पुत्री संजय निवासी राजपुर बलाई मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद व श्रीकांत पुत्र राजू निवासी ग्राम मोहनपुर लरखोर सैफई इटावा की याचिका में संलग्न विवाह प्रमाणपत्र भी जांच में फर्जी पाया गया। यह प्रमाणपत्र आर्य समाज कृष्ण नगर कीडगंज का था। जांच के दौरान उक्त संस्था के हरिदेव धूरिया निवासी जसरा थाना घूरपुर व संस्था में कार्यरत अन्य सदस्यों ने प्रमाणपत्र फर्जी होने की बात कही। जांचकर्ता उप निरीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर कैंट थाने ने चारों आरोपियों व उनके अज्ञात सहयोगियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर लिए। कैंट पुलिस ने बताया कि जांच की जा रही है।

तलाकशुदा महिलाकर्मी की मृत्यु के बाद बेटे-बेटियां ही सेवा लाभों के हकदार, हाईकोर्ट ने दिया भुगतान का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि तलाकशुदा महिलाकर्मी की मृत्यु के बाद उसके आश्रित बेटे–बेटियां ही पारिवारिक पेंशन व अन्य सेवा लाभों के हकदार हैं। तलाकशुदा पति को उसके सेवा लाभों का हकदार नहीं माना जा सकता। यह फैसला न्यायमूर्ति नीरज तिवारी की अदालत ने बस्ती के नियाज अहमद की ओर मृतक मां के मृत्यु–सह–सेवानिवृत्ति देयकों के भुगतान करने की मांग वाली याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने जिला पंचायत राज अधिकारी बस्ती (डीपीआरओ) को चार हफ्ते में याची को उसकी मां के मृत्यु–सह–सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान करने का आदेश दिया है।मामला बस्ती का है। याची की मां नजीबुन्निशा जिला पंचायती राज अधिकारी, बस्ती के कार्यालय में सफाईकर्मी के पद पर तैनात थी। सेवाकाल में ही छह जून 2016 को शरीयत के मुताबिक नजीबुन्निशा का उसके पति मो. उमर से तलाक हो चुका था। वह अपने बच्चों याची नियाज अहमद, सुहेल अहमद, उलमेनसिबा, उलमेहबीबा, जमाल अहमद और हूर बानो संग रह रही थी। इसी बीच 26 सितंबर 2020 को उसकी मृत्यु हो गई। इसके बाद उसके बेटे नियाज ने डीपीआरओ के समक्ष मां के मृत्यु–सह–सेवानिवृत्ति देयकों के भुगतान का दावा किया। लेकिन, उसके दावे पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। सुनवाई के दौरान जवाब तलब किए जाने पर डीपीआरओ ने हलफनामा दाखिल किया। 23 दिसंबर 2016 को जारी शासनादेश का हवाला देते हुए बताया कि महिलाकर्मी की मौत के बाद मृत्यु–सह–सेवानिवृत्ति लाभ केवल उसके जीवित पति को ही दिया जा सकता है। मौजूदा मामले में नजीबुन्निशा के पति जीवित हैं। इसलिए याची बेटे को भुगतान नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने पति मो.उमर को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया।

मो.उमर ने बताया कि उसका तलाक हो चुका है। मृतका के मृत्यु– सह–सेवानिवृत्ति देयकों का भुगतान याची को किए जाने में उसे कोई आपत्ति नहीं है। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए डीपीआरओ को चार हफ्ते में मृतक महिलाकर्मी के मृत्यु– सह–सेवानिवृत्ति देयकों का भुगतान याची को करने का आदेश दिया है।

प्रयागराज में शॉर्ट सर्किट से स्टूडियो में लगी आग:लोगों की मदद से दुकानदार ने बुझाई आग, लाखों रुपये का नुकसान

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के उत्तराव थाना क्षेत्र के दायमगंज समोधीपुर गांव में शार्ट सर्किट से श्री बालाजी स्टूडियो ऑनलाइन सेंटर में आग लग गई। जिससे लाखों के नुकसान हुआ। वहीं पीड़ित ने थाने में लिखित तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। समोधपुर थाना उतराव निवासी बृजेश कुमार वर्मा जो दायमगंज समोधीपुर में श्री बालाजी स्टूडियो ऑनलाइन सेंटर खोलकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। वह रोज की तरह शाम को दुकान बंद कर अपने घर चला गया। रात में शार्ट सर्किट से दुकान में आग लग गई। आसपास के लोगों ने फोन पर सूचना दी तो संचालक मौके पर पहुंचा। ताला खोलकर शटर उठाया तो तेजी से आग जल रही थी। आसपास के लोगों की मदद से किसी तरीके आग पर काबू पाया। संचालक ने थाने में लिखित रूप से तहरीर देकर सूचना दी है।

महाकुंभ में रेल यात्रियों को मिलेगी अब तक की सबसे बेहतर सुविधा, जीएम ने किया निरीक्षण

प्रयागराज। पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक सौम्या माथुर बुधवार को प्रयागराज पहुंचीं। उन्होंने प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशन

का जायजा लिया। महाकुंभ के मद्देनजर यहां पर चल रही तैयारियों को परखा। जीएम ने महाकुंभ को लेकर रेलवे की ओर से की जा रही तैयारियों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में जो यात्री आएंगे उन्हें रेलवे अब तक की सबसे बेहतर सुविधा देने का प्रयास कर रहा है। नवंबर के अंतिम या दिसंबर के शुरुआत तक सारे कार्य पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि गंगा के ऊपर बन रहा रेलवे का नया पुल दिसंबर तक शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए सीआरएस इंस्पेक्शन होना है। कहा कि रेलवे स्टेशन पर काफी यात्री सुविधाएं बढ़ाई गई हैं।

प्रयागराज में टूटे बेड पर मरीजों को कर रहे भर्ती

SRN अस्पताल में दरवाजा हटाकर टांगी बेडशीट, महिला मरीजों ने जताई नाराजगी

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू हॉस्पिटल में प्रयागराज समेत दूर दराज के मरीज इलाज के लिए आते हैं। यहां अव्यवस्थाओं से मरीजों को हर दिन जूझना पड़ता है। यहां कुछ दिन पहले ही पुरानी बिल्डिंग के महिला वार्ड का दरवाजा टूट गया। कर्मचारियों ने दरवाजे को निकाल एक किनारे रख दिया। उसके स्थान पर एक बेडशीट को टांग दिया। इस वार्ड में महिलाओं को भर्ती किया गया है। महिलाओं ने नाराजगी जताई है। अब सवाल यह उठता है कि अस्पताल के मेंटीनेंस के नाम पर अच्छा खासा बजट आता है, इसके बावजूद इस अस्पताल में यह स्थिति है। इसी तरह अस्पताल के अधिकांश वार्ड में मरीजों का बेड टूटा है, उसी पर मरीजों को भर्ती किया गया है। 21 अगस्त को दैनिक भास्कर ने अस्पताल के इमरजेंसी सर्जिकल वार्ड में मरीजों पर टपक रहे पानी की खबर को प्रमुखता से लिखा था। इस खबर को शासन ने संज्ञान भी लिया था और इसमें अस्पताल प्रशासन से जवाब मांगा गया था।

प्रयागराज एयरपोर्ट से शुरू होगी कार्गो विमान सेवा

प्रयागराज। कोई भी सामान अब देश के अलग–अलग शहरों से चंद घंटों में प्रयागराज पहुंचेगा और यहां से भेजा जा सकेगा। प्रयागराज एयरपोर्ट से कार्गो विमान सेवा शुरू करने की तैयारी हो रही है। एयरपोर्ट प्रशासन ने गोदाम बनाने के लिए सेना से 11.2 एकड़ जमीन सेना से मांगी गई है। कार्गो गोदाम बनाने के लिए मुख्य राजस्व अधिकारी कुंवर पंकज ने जिलाधिकारी की ओर से रक्षा संपदा अधिकारी को पत्र भेजा है। जमीन के लिए प्रशासन की ओर से ऑनलाइन भी आवेदन किया गया है। गोदाम के लिए एयरपोर्ट के पास चंद्रभानपुर कटहुआ गौसपुर में जमीन मांगी गई है। सेना के दोनों भूखंड एयरपोर्ट से सटा है। जमीन मिलने के बाद एयरपोर्ट प्रशासन गोदाम का निर्माण करेगा। प्रयागराज एयरपोर्ट के निदेशक फर्रुख अहसन ने बताया कि यहा से कार्गो सेवा शुरू होने पर चंद घंटों में कोई भी सामन देश के किसी भी हिस्से से यहां पहुंचेगा और भेजा जा सकेगा। प्रयागराज एयरपोर्ट से कार्गो सेवा शुरू करने की योजना सात साल पहले बनी थी। तब नई दिल्ली और वाराणसी से आई विशेषज्ञों की टीमों ने कार्गो सेवा शुरू करने के लिए सर्वे किया था। तब प्रयागराज एयरपोर्ट के निदेशक आरएस मिश्रा का कहना था कि एयरपोर्ट से कार्गो सेवा शुरू करने में बेहतर मार्ग नहीं होना सबसे बड़ी बाधा थी। अब एयरपोर्ट–शहर–कौशाम्बी के बीच सिक्स लेन मार्ग बन रहा है। इससे कार्गो वाहनों का आवागमन आसान होगा।

संत कबीर के भजनों व वाणी पर झूमे श्रद्धालु

प्रयागराज। कबीर पारख संस्थान, प्रीतमनगर की ओर से आयोजित वार्षिक सत्संग समारोह के दौरान संत कबीर के भजनों और कबीर वाणी की मनमोहक प्रस्तुति से पंडाल में उपस्थित हजारों श्रद्धालु सराबोर होते रहे। प्रवचन करने देश के विभिन्न प्रांतों पहुंचे संतों ने कबीर खड़ा बाजार में सबकी मांगे खैर, ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर, कबीर वाणी एक बूंद से सृष्टि रची है को ब्राह्मण को सुद्रा, भाई रे दुई जगदीश कहां से आया, देश–विदेश हों फिरा गांव–गांव की खोरि व यह तो निर्मल भया, जैसे गंगा नीर की प्रस्तुति की।

ससुरालियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

प्रयागराज। महिला थाना में उमरी पूरामुफ्ती निवासी साहेबा ने दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का कहना है कि 15 मार्च 2022 को प्रतापगढ़ जिले के शिवरा मानधाता निवासी अब्दुल्लाह खान से निकाह हुआ था। शादी के बाद से ही ससुरालवाले दस लाख रुपये की मांग को लेकर प्रताड़ित कर रहे हैं। उसे इस साल पांच अगस्त को ससुराल से भगा दिया गया। उधर, पूरामुफ्ती थाने में बेगम बाजार बमरौली निवासी मोहिनी शुक्ला ने पति, सास, जेठ, जेठानी व भतीजी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि छह मार्च को शादी के बाद से ही दहेज के खातिर उत्पीड़न किया जा रहा है।

मंसूर पार्क में कटिया मार चला रहे थे बिजली, मुकदमा

प्रयागराज। न्यू खुशरूबाग उपखंड की बिजली विभाग की टीम ने मंसूर पार्क में कटिया मारकर बिजली चोरी करने के मामले में बुधवार को एफआईआर दर्ज की है। अवर अभियंता प्रदीप कुमार अपनी टीम के साथ 15 अक्तूबर को बिजली चेकिंग में निकले थे। इस दौरान बक्शी बाजार, मंसूर पार्क में काजी शरबत हुसैन के घर पर कटिया मारकर बिजली चोरी का मामला पकड़ में आया। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने इसका वीडियो बनाया। पता चला कि एनटी लाइन से कटिया मारकर बिना मोटर के एक किलो विद्युत का अवैध रूप से उपयोग किया जा रहा था।

स्वकर निर्धारण एवं गृहकर छूट की अवधि 31 अक्टूबर 2024 तक मात्र

प्रयागराज सनगर निगम प्रयागराज के कर विभाग में वसूली हेतु विगत दिनों की गयी समीक्षा बैठक में मुख्य कर निध ारण अधिकारी श्री पी0के0द्विवेदी द्वारा समस्त कर अधीक्षकों तथा राजस्व निरीक्षकों को यह स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि सभी भवन स्वामियों को, जिनके द्वारा अबतक गृहकर का भुगतान नही किया गया है या स्वकर निर्धारण कराते हुए गृहकर जमा नही किया गया है ऐसे सभी लोगों को समस्त वार्डो एवं मोहल्लों में आई0ई0सी0 के वाहन द्वारा प्रचार–प्रसार कराते हुए अवगत कराए कि '31 अक्टूबर 2024 के बाद स्वकर निर्धारण अथवा गृहकर छूट की अवधि में अब वृद्धि नही होगी।' गृहकर छूट एंव स्वकर निर्धारण की अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर 2024 को मा0 नगर निगम सदन द्वारा पहले ही घोषित किया गया था, अतः इसपर सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया था कि भवन स्वामियों की सुविधा को देखते हुए वित्तीय वर्ष के छमाही बीतने के उपरान्त भी उन्हें छूट की सुविधा दी जाए, जिसके कारण 31 अक्टूबर 2024 अन्तिम तिथि घोषित की गयी थी। जिन भवन स्वामियों द्वारा 31 अक्टूबर 2024 तक स्वकर भरकर जमा नही किया जाएगा, उनको जारी किये गये बिल में जो भी कर आगणित किया गया है उसका भुगतान प्रत्येक दशा में करना होगा, 'चूकि स्वकर निर्धारण की कार्यवाही 31 अक्टूबर 2024 तक पूर्ण रूप से बन्द हो जाएगी, अतः वित्तीय वर्ष 2022–23 से प्रभावी वार्षिक मूल्यांकन के अनुसार स्वकर निर्धारण न कराने वाले भवन स्वामियों द्वारा गृहकर जमा किया जाना अनिवार्य होगा।' ऐसी स्थिति में स्वकर निर्धारण न कराते हुए एवं गृहकर भुगतान रोकने वाले ऐसे सभी भवन स्वामियों से गृहकर की वसूली बकाए के रूप में की जाएगी। अतएव मुख्य कर निर्धारण अधिकारी द्वारा सभी भवन स्वामियों को इस विषय में आगाह करते हुए स्पष्ट संदेश दिया गया है कि 'अक्टूबर माह में अवशेष 15 दिनों के अन्दर अपना स्वकर निर्धारण फार्म भरकर कराते हुए गृहकर जमा कर देंवें एवं जिनके द्वारा चालू गृहकर जमा नही किया गया है ऐसे भवन भवन स्वामी 10 प्रतिशत छूट प्राप्त करते हुए 31 अक्टूबर 2024 तक अपना गृहकर जमा कर दें।' जनहित में नगर निगम प्रयागराज द्वारा विभिन्न विज्ञापन माध्यमों से स्वकर निर्धारण एवं गृहकर छूट की अन्तिम तिथि के छूट के सम्बन्ध में प्रचार–प्रसार भी कराए जाने का निर्देश मुख्य कर निर्धारण अधिकारी द्वारा सभी जोन के कर अधीक्षकों को दिया गया है।

श्रीमद्भागवत कथा के कलश यात्रियों पर होगी हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा

17 अक्टूबर से होगा रामपुर खागल की भव्य भागवत कथा का आगाज

पट्टी तहसील के रामपुर खागल गांव में होगी श्री रामभद्राचार्य जी की कथा

18 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2024 को होगी

प्रतापगढ़। दाउदपुर गांव स्थित पावन कुंडा धाम से कथा के पूर्व 17 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से होगी कलश यात्रा। कलश यात्रा में स्वयं शामिल होने प्रातः रामपुर खागल हेलिकॉप्टर से पहुंचेंगे महराज श्री रामभद्राचार्य जी महाराज। पांच हजार से

अधिक महिला श्रद्धालुओं द्वारा कुंडा धाम स्थित जल कुंड से जल लेकर कथास्थल तक होगी कलश यात्रा।

कलश यात्रा का रास्ते में जगह जगह स्थानीय नागरिकों द्वारा पुष्प वर्षा करके स्वागत की हो रही है भव्य तैयारी।

आचार्य रामचंद्र दास जी उत्तराधिकारी श्री तुलसी पीठ चित्रकूट के सानिध्य में हो रही है श्रीमद्भागवत कथा 'प्रतिदिन अपराह्न 3.30 से 6.30 तक होगी श्रीमद्भागवत की कथा। 'श्रीमद्भागवत कथा के उपरांत सायं 7 बजे से प्रतिदिन होगा भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन 'सांस्कृतिक संध्या में देश के नामचीन कलाकारों की होगी सहभागिता।

भूख हड़ताल पर बैठे एम्बुलेंस ड्राइवर

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में डिप्टी सीएम आवास के बाहर दूसरे दिन भी एम्बुलेंस ड्राइवर प्रदर्शन कर रहे हैं। नौकरी की मांग को लेकर अब सभी भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। ड्राइवरों द्वारा जमकर नारेबाजी की जा रही है। कोरोना के समय दिए गए मेडल और सर्टिफिकेट भी उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को वापस देने की बात कही जा रही है। एम्बुलेंस ड्राइवरों का कहना कि डिप्टी सीएम नौकरी देने का वादा तो करते हैं लेकिन अब उनके ही दरवाजे पर पहुंचे तो पुलिस खदेड़ रही है। उपमुख्यमंत्री से 3 साल में 20 बार से अधिक मुलाकात की गई। हर बार आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। कल प्रदर्शन के दौरान उन्होंने 5 लोगों के डेलिगेशन को मुलाकात के लिए बुलाया। बीच का रास्ता निकालने की बात कही गई, लेकिन मुलाकात के बाद क्या हुआ इसकी सूचना किसी को नहीं दी गई। इसीलिए अब भूख हड़ताल शुरू की गई है। जब तक बहाली नहीं होगी तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। एम्बुलेंस ड्राइवर शैलेश का कहना है कि 3 साल में सरकार कंपनी से बातचीत नहीं कर पाई। यह दुख की बात है कि जिस समस्या का समाधान तीन दिन में होना था वह 3 साल में भी नहीं हो पाया। हम लोग भूख हड़ताल पर बैठे हैं, सुनवाई नहीं होने तक यहीं बैठे रहेंगे। प्रदर्शन कर रहे सलील अवस्थी का कहना है कि 3 साल से हम लोग नौकरी के लिए दर–दर की ठोकर खा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों से 9000 कर्मचारी रोजगार के लिए सैकड़ों किलोमीटर का सफर तय करके लखनऊ पहुंचते हैं। डिप्टी सीएम वादा करते हैं कि नौकरी मिलेगी। अब जब उनके दरवाजे पर पहुंचे तो पुलिस भगा रही। शाम 5 बजे के बाद ईको गार्डन में प्रदर्शन करने वालों को रुकने नहीं दिया जाता। किसी मंत्री या विधायक के आवास पर प्रदर्शन करने जाओ तो वहां पुलिस लाठीचार्ज करती है। यही लोग बता दें कि हम अपनी बात किसके पास रखें।

एबीवीपी ने मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए पथराव और सांप्रदायिक हिंसा को बताया शर्मनाक

लखनऊ, एजेंसी। बहराइच में हुई हिंसा ने लोगों को अंदर तक झंझोर दिया है। बहराइच सहित आसपास के क्षेत्रों में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। ऐसे में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बहराइच जिले के महसी में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए पथराव और सांप्रदायिक हिंसा पर चिंता व्यक्त की है। अभाविप कार्यकर्ताओं का कहना है कि मजहबी कट्टरपंथी शक्तियों द्वारा सुनियोजित तरीके से मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम में पथराव कर एक युवक की बेरहमी से हत्या कर देना काफी दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। एबीवीपी घटना की कठोर शब्दों में निंदा करती है। अवध प्रान्त के प्रान्त मंत्री पुष्पेन्द्र वाजपेई ने कहा कि उपरोक्त घटनाक्रम शांति व्यवस्था और कानून व्यवस्था को खुली चुनौती दे रहा है, मानवता को शर्मसार करने वाला यह प्रकरण धार्मिक भावनाओं को आहत करने का एक कुंठित प्रयास भी है। सरकार को समाज में द्वेष घोलने वाले सभी षड्यंत्रकारियो पर कठोरतम कार्रवाई करके ऐसे सभी अराजकत्त्वो के लिए मिसाल प्रस्तुत करना चाहिए। आपको बता दें कि रविवार को बहराइच जनपद के महसी तहसील में भड़की हिंसा में रामगोपाल मिश्र की बर्बरता के साथ हत्या की गई थी। जिसकी वजह से दोनो समुदाय आमने–सामने आ गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद से लोगों में काफी आक्रोश भी नजर आ रहा है।

'बंगाली वेलफेयर एसोसिएशन ने खोला पुरस्कारों का पिटारा'

प्रयागराज सबंगाली वेलफेयर एसोसिएशन अपने पारंपरिक दुर्गा पूजा पारितोषिक वितरण कार्यक्रम इलाहाबाद दुर्गा पूजा समिति के सहयोग से आगामी 20 अक्टूबर 24 को सुबह 11 बजे भारत सेवाश्रम संघ के प्रांगण में आहूत करेगी, यह जानकारी संस्था के सचिव डॉ पी के राय ने प्रेस को दिया। संस्था के उप सचिव असित कुमार राय ने कहा चयन समिति के सदस्यों के द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर 21 दुर्गा पूजा बारवारियों को पारितोषिक के लिए चयन किया गया है जिसमें सिटी बारवारी, कीडगंज, करेली, शास्त्री नगर, शाहगंज, जॉर्ज टाउन, बाई का बाग, महामाया प्रीतम नगर, झूंसी योजना 2, कालिंदीपुरम, करेलाबाग, कटघर, राजरूपपुर, झूंसी योजना 3, नेता नगर, रामानंद नगर अल्लाहपुर, त्रिवेणीपुरम झूंसी, सार्वजनिक जय मां दुर्गा मम्फोर्डगंज, साउथ मलाका, प्रयाग आदिशक्ति कमेटी(बंसी भवन) एवं मीरापुर बारवारी सम्मलित है इसके अलावा संस्था अपने 14 दुर्गा पूजा निर्णायक (जूरी) मंडल का भव्य सम्मान करेगी। संस्था इसके अलावा दो व्यक्तियो को सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित करेंगी। दुर्गा पूजा के दौरान उदायमान युवाओं को सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाने के लिए सुर ओ संगीत डांस अकादमी के 11 छात्र और छात्राओं एवं मीसा फाउंडेशन से प्रशिक्षित 8 युवा सांस्कृतिक कलाकारों व दो ध ुनुची नृत्य प्रतियोगियों को मंच से सम्मानित करेगी। दूसरी तरफ इलाहाबाद दुर्गा पूजा समिति बांग्ला नाटक के आयोजन और पारम्परिक पूजा के लिए दो बारवारियों को सम्मानित करेंगी। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने सभी विजेता बारबारियों को एवं सम्मानित होनेवाले दुर्गा पूजा मेंबर व कलाकारों को बधाई दी है ।

लोकपाल की सक्रियता से बिहार ब्लाक के देववर पुर के मिडिल स्कूल की अधूरी बाउंड्री कराई जा रही पूर्ण

ग्राम के सर्वेश शुक्ल की शिकायत पर लोकपाल ने सी डी ओ से की थी आवश्यक जांच व कार्यवाही की अपेक्षा

प्रतापगढ़ सगाँव के युवा समाज शेखर ने प्रथम दृष्ट्या अरोप लगाया गया कि पूर्व एफ0टी0ओ0 कैसे जारी हुआ

यदि सजग हो जिम्मेदारी से मामले की गंभीरता को देखते माध्यमिक विद्यालय देववरपुर और कार्य अभी भी अधूरा पडा

अपना दायित्व निभाए तो मनरेगा हुए संबंधित बीडीओ बिहार को में बाउन्ड्री वाल का निर्माण है। उन्होने कहा है कि पैमेन्ट

सहित ग्राम्य विकास की आवश्यक आख्या के साथ पंचायत द्वारा दस माह पूर्व शुरू के एक माह बाद भी अभी भी

योजनाओ को पंख लग जायेंगे। कार्यवाही का निर्देश दिया। वहीं किया गया था। गुणवत्ता युक्त बाउन्डी वाल में किसी भी प्रकार

ऐसा ही कुछ देखने को मिल 3 अक्टूबर को मुख्य विकास कार्य न होने पर ग्रामवासियों का कार्य नही लगाया गया है।

रहा है बिहार ब्लाक के देववर अधिकारी महोदया को पत्रांक की शिकायत पर तत्कालीन उन्होने विद्यालय के बाउन्डी

पुर ग्राम पंचायत के पूर्व माध संख्या 63 द्वारा 15 अक्टूबर से बीडीओ द्वारा गुणवत्ता की जांच वाल के निर्माण की मांग की

यमिक विद्यालय में। लोकपाल पहले आवश्यक कार्यवाही हेतु करके कार्य बन्द करा दिया थी। चूंकि मामला गम्भीर प्रकृ

की सक्रियता से अधूरी बाउंड्री अपेक्षा की गई थी। वहीं आज गया था और प्रधान को मानक ति का था ऐसे में उक्त मामले

का निर्माण पंचायत द्वारा तेजी ग्राम से रिपोर्ट ली गई तो अवगत के अनुरूप कार्य कराने को की समुचित जांच अपने स्तर

से कराया जा रहा है। ग्राम के कराया गया की बाउंड्री का कहा था। से कराके आवश्यक कार्यवाही

ही नागरिक सर्वेश शुक्ल द्वारा निर्माण कार्य काफी तेजी से हो परन्तु आज तक कार्य अध कराने तथा की गई कार्यवाही

१ अक्टूबर को लोकपाल रहा है। ज्ञातव्य हो की पूरा पडा है। वहीं अवगत कराया तथा वस्तु स्थिति की रिपोर्ट 15

कार्यालय में विद्यालय की अध लोकपाल की जनसुनवाई में १ है कि ब्लाक के मनरेगा कर्मियों अक्टूबर 2024 तक अध

ूरी बाउंड्री की शिकायत की अक्टूबर को शिकायत कर्ता द्वारा प्रधान सचिव द्वारा धनराशि ोहस्ताक्षरी के कार्यालय को

गई थी। १ अक्टूबर को ही तत्कालीन बिहार बी डी ओ व निकाल ली गई है। उनका उपलब्ध कराने हेतु सीडीओ से

सुनवाई करते हुए लोकपाल ग्राम पंचायत के विरूद्ध गम्भीर सवाल है कि बिना जांच किए लोकपाल ने अपेक्षा की थी। 15

अक्टूबर तक आख्या तो नही आ सकी परंतु लोकपाल द्वारा ग्राम से प्रगति रिपोर्ट ली गई तो काफी उत्साह जनक परिणाम दिखा प्रधान द्वारा अध ूरे बाउंड्री का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण कराया जा रहा है। ग्राम वासी भी काफी उत्साहित है और उम्मीद कर रहे है की मनरेगा मे जन भागीदारी व निगरानी से गाँव का कायाकल्प जरूर हो सकेगा।

श्रीराम मंदिर परिसर में सैकड़ों सनातनी मातृशक्तियों के सुंदरकांड ने किया हजारों भक्तों को प्रेरित

लखनऊ, एजेंसी। बुधवार को "ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति" की सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल की अगुआई में बीते मंगलवार 15 अक्टूबर को अयोध्याजी में स्थापित भव्य राम मंदिर परिसर में द्वितीय सामूहिक सुंदरकाण्ड महायज्ञ सम्पन्न हुआ। यह दूसरा ऐसा पावन अवसर था जब मासिक सुंदरकांड के तहत सैकड़ों की संख्या में उपस्थित सनातनी मातृशक्तियों ने सुंदरकांड का पाठ कर विश्व कल्याण और मानव उत्थान के लिए अनुष्ठान किया। बुधवार को लखनऊ लौटकर आईं सपना गोयल ने संवाददाताओं को बताया कि यह अवसर दशहरा पर्व का था इसलिए इस अनुष्ठान के माध्यम से संदेश दिया गया कि बुराई चाहे जितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंत में सत्य और धर्म की ही जीत होती है। रावण का अंत इस बात का साक्ष्य है कि अध र्म और अहंकार का अंत होकर रहता है। ऐसे पावन अवसर पर हुए विशेष रूप से मंगलवारीय सामूहिक सुंदरकांड की गूंज ने, मंदिर परिसर में आए हजारों भक्तों का भी ध्यानाकर्षण कर उन्हें भी सुंदरकांड के नियमित पाठ के लिए प्रेरित किया। इस बार बनारस, लखनऊ, बाराबंकी सहित अन्य शहरों की मातृशक्तियों ने इसमें उत्साह के साथ सहभागिता करते हुए सरस भजनों का भी आनन्द लिया। इस अवसर पर सपना गोयल सहित अन्य आगंतुकों को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय का आशीर्वाद भी हासिल हुआ।सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल के अनुसार सुंदरकांड के नियमित पाठ से केवल सनातनियों का ही नहीं बल्कि हर समाज के अनुयायियों का कल्याण सम्भव है। सुंदरकांड के पाठ में सुंदर विश्व की कामना का भाव निहित है। उन्होंने दुर्गोत्सव के अवसर पर देश की सनातनी मातृशक्तियों का आवाह्न किया कि वह अपनी शक्ति को पहचाने और देवी मां की भांति समाज की रक्षा के लिए संकल्पित हों। सपना गोयल के अनुसार प्रतिदिन सुंदरकांड के पाठ और सप्ताह में दो बार, मंगलवार और शनिवार को नजदीक के मंदिर में सामूहिक सुंदरकांड करने से उनके परिवार का ही नहीं समाज का भी उत्थान होगा। उनके अनुसार भारत वर्ष, देवों द्वारा निर्मित है। भरत की भूमि और ऋषि मुनियों की जन्मस्थली है। ऐसे में वह सतत प्रयास कर रही हैं कि भारत को उसका पुराना वैश्विक गौरव प्राप्त हो और भारत दोबारा विश्वगुरु बने। उन्होंने बताया कि अयोध्याजी जन्मभूमि परिसर में मातृशक्तियों द्वारा सामूहिक "मासिक सुंदरकाण्ड पाठ" का सिलसिला 11 सितम्बर से शुरू हो गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से लखनऊ की "ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति" की सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल को इसका दायित्व सौंपा गया है। इसके साथ ही संकल्प के अनुसार जल्द ही अयोध्याजी में पांच हजार मातृशक्तियों द्वारा सामूहिक सुंदरकांड पाठ का वृहद आयोजन भी किया जाएगा। सपना गोयल द्वारा बिना किसी सरकारी या निजी सहयोग के, बीते 10 मार्च को महिला दिवस के उपलक्ष्य में पांच हजार से अधिक मातृशक्तियों द्वारा लखनऊ के झूलेलाल घाट पर सामूहिक सुंदरकांड का भव्य अनुष्ठान सम्पन्न करवाया गया था। सामूहिक सुंदरकांड का अभियान राष्ट्रीय स्तर पर वृहद रूप में निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसके तहत नैमिषारण्य तीर्थ और उत्तराखंड कोटद्वार के प्रतिष्ठित प्राचीन मंदिर सिद्धबली परिसर में भी सामूहिक सुंदरकांड पाठ का अनुष्ठान, सफलतापूर्वक आयोजित करवाया जा चुका है। इस क्रम में हरिद्वार तीर्थ में भी यह आयोजन किया जाना है। यह अभियान देश ही नहीं विदेशों तक में संचालित किया जा रहा है।

पुलिस बैरियर से टकराकर युवक की मौत

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में होटल से खाना खाकर घर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह दोस्त की केटीएम से जा रहा था। रास्ते में अचानक पुलिस बैरिकेड से टकरा गया। पीछे से आ रहे दोस्त सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसा मंगलवार रात 1.30 बजे हजरतगंज इलाके में हुआ है। मृतक की पत्नी अमरीन का कहना है कि वाहिद अपने दो दोस्तों के साथ फूलबाग खाना खाने गए थे। घर से स्कूटी लेकर गए थे। लौटते समय दोस्त की केटीएम खुद चलाने लगे और उनको स्कूटी दे दी। बीच सड़क पर चेकिंग के लिए लगी बैरिकेडिंग से टक्कर हो गई और वह गिरकर घायल हो गए। अमरीन के मुताबिक वाहिद एसी सप्लाई का काम करते थे। वह पिछले कई सालों से सऊदी जाने की प्लानिंग कर रहे थे। वीजा के लिए भी अप्लाई किए थे। वीजा आने से पहले उसकी मौत की खबर आ गई। अमरीन और 11 साल के बेटे अरहान और 5 साल के बच्चे अयान का रो–रोकर बुरा हाल है। अमरीन का आरोप है कि जिस जगह पर बैरिकेडिंग लगी है, वहां पर न तो लाइट की व्यवस्था है, न ही उसमें रिफ्लेक्टर लगा था।

संक्षिप्त

युवक ने खुद को मारी गोली

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में एक युवक खुद के सीने में गोली मार लिया। गोली की आवाज सुनकर जागे भाई ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर मिले तमंचे को कब्जे में लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या की वजह का पता नहीं लग सका है। घटना मड़ियांव इलाके की है। युवक सीतापुर के खैराबाद के जलालपुर बनका गांव का रहने वाला था। लखनऊ में भाई मुस्तफा के साथ फैजुल्लागंज सिन्हा कॉलोनी में रहता था। भाई ने पुलिस को बताया कि मंगलवार देर रात साथ रहने वाले छोटे भाई अबरार उर्फ इमरान (26) ने गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। गोली की आवाज सुनकर जागे तो देखा वह खून से लथपथ पड़ा था। पुलिस को सूचना देने के साथ अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मड़ियांव पुलिस के मुताबिक युवक के आत्महत्या के कारणों और तमंचा कहां से मिला, इसकी जानकारी की जा रही है। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्र ने बताया कि पूछताछ में सामने आया है कि दो–तीन दिन से अबरार कुछ परेशान चल रहा था। भाई ने कारण भी पूछा, लेकिन वह टाल गया। दो दिन पहले अपना मोबाइल भी तोड़ दिया था। अबरार के सुसाइड की वजह जानने के लिए उससे जुड़े लोगों के विषय में जानकारी जुटाई जा रही है।

बच्चे की कनपटी पर लगाया तमंचा, अलमारी की चाबी मांगकर गहने और नकदी लूटे

लखनऊ, एजेंसी। नगराम के लोधी पुरवा गांव में मकान के पास लगे पेड़ से बदमाश आधी रात घर में दाखिल हो गए। बच्चे को तमंचे की नोक पर लेकर महिला से अलमारी की चाबी ली। फिर एक लाख के गहने और पांच हजार रुपए लूट ले गए। जानकारी के अनुसार लोधीपुरवा गांव में रामप्रसाद के मकान में रात करीब ढाई बजे तीन बदमाश पास के पेड़ से उतर आए। उनकी बहु रौशनी देवी के कमरे में दाखिल होकर पोते के सिर में तमंचा सटा दिया। महिला से अलमारी की चाभी लेकर उमें रखे एक लाख रुपए कीतम के सोने का हार, झुमके व पांच हजार नकदी लूट ले गए। बदमाशों ने शोर मचाने पर गोली मारने की धमकी दी। वारदात को अंजाम देकर बदमाश आराम से भाग निकले। घर के बाकी सदस्यों को घटना की भनक भी नहीं लगी। महिला के कमरे के बगल में उसकी सास सो रही थीं, जबकि बाहर बरामदे में उसके ससुर और ननद सो रही थीं। रोशनी ने परिवार के लोगों को घटना की जानकारी दी। रामप्रसाद ने तुरंत घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर नगराम थानाधिकारी सुबह मौके पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महिला सहित आस–पास के लोगों से बातचीत की। मकान की छत और मकान के पास खेतों में जाकर बदमाशों का सुराग लगाने की कोशिश की। इस दोरान मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई।

हम लोग उपचुनाव में जीत दर्ज करेंगे : संजय निषाद

लखनऊ, एजेंसी। निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद ने बुधवार को विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने उत्तर प्रदेश की 9 सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव में एनडीए की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि एनडीए जमीनी स्तर पर इसको लेकर तैयारी कर रही है। हम निश्चित तौर पर सफलता का झंडा इस उप–चुनाव में भी बुलंद करेंगे। उन्होंने कहा, "हम लोग सभी 9 सीटों पर जीत हासिल करने के लिए तैयार हैं। इसके लिए हम धरातल पर काम कर रहे हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हम लोग जीत दर्ज कर जनता का आशीर्वाद प्राप्त करने में सफल रहेंगे। हमने जमीन पर जनता के हित में काम किए हैं, जिसका फायदा हमें आगामी उपचुनाव में देखने को मिलेगा। वहीं हरियाणा की सीमा से सटी सीटों पर हमारी टीमों ने अच्छा प्रदर्शन किया और आप देखेंगे कि ओबीसी, दलित और पिछड़े वर्ग के वोटरों ने हमें समर्थन दिया है, जिससे भाजपा मजबूत हुई है।"उन्होंने आगे कहा, "हमारी रणनीति यह है कि हम बिना किसी भेदभाव के दलितों, गरीबों, महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों के साथ खड़े रहें। इससे लोगों का विश्वास बढ़ेगा और वे हमारी ओर आकर्षित होंगे। पिछली बार हमें यह उम्मीद नहीं थी कि विपक्ष इस तरह से मुद्दों को उठाकर एक बड़ा नरेटिव सेट कर सकेगा। लेकिन, हम अपने काम के आधार पर विश्वास रखते हैं और जनता से किए गए वादों को पूरा करने में लगे रहेंगे।" इसके अलावा, उन्होंने ईवीएम पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, "ईवीएम के मुद्दे पर विपक्ष की ओर से लगातार आरोप–प्रत्यारोप की जा रही है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि ईवीएम में कोई खराबी नहीं है। हारने वाले अपनी कमी नहीं स्वीकारते, और हमेशा ईवीएम को दोष देते हैं। ईवीएम पर सवाल उठाने वालों को जीते हुए सीट से तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।"उन्होंने नेम प्लेट विवाद पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा, "दुकानों में नेमप्लेट को लेकर विवाद भी चल रहा है। मैं पहले भी कह चुका हूं कि हर एक व्यवसायी को दूसरों के धर्मों का सम्मान करना चाहिए।

ए पी जे अब्दुल कलाम

करता सलाम मैं तो,ऐ कलाम तुमको।
उपलघब्धि जो तुम्हारे,गर्व तुमपे हमको।

जो सीख तुम दिए हो, है कुछ नहीं शिकायत,
बच्चों के संग रहना,थे तुम सरल निहायत।

रामेश्वरम जगह जो, तीर्थ है हमारा।
तुम जन्म ले वहां पर,बन गये सितारा।

माना कि तुम रहे हो, भारत प्रगति डगर।
यह देश तो ऋणी है, तुम चल दिए किधर।

साकार स्वप्न करते, खींच स्वप्न रेखा।
विज्ञान के शिखर पर,जग ने तुम्हें देखा।

वह पोखरन कहानी,थे तुम जिसके नायक।
पहले नहीं सुना था,हुआ कभी शायद।

तुम राष्ट्रपति पद पर,देश में विराजे।
थे मिशाइल मैन तुम, त्याग तुम्हें साजे।

देवी प्रसाद पाण्डेय, प्रयागराज

सम्पादकीय.....

दागदार खेवनहार

राजनीति में धनाढ्य लोगों, बाहुबलियों तथा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों का सक्रिय होना, अब भारतीय जनतांत्रिक व्यवस्था का चरित्र बन चुका है। कहीं ज्यादा तो कहीं कम, उनकी उपस्थिति हर राज्य व केंद्र की राजनीति में नजर आती है। हाल ही में संपन्न हरियाणा विधानसभा के चुनावों के बाद आई एक रिपोर्ट ने इस मुद्दे को फिर विमर्श में ला दिया है। इस रिपोर्ट के अनुसार राज्य में चुने गए 96 फीसदी विधायक करोड़पति हैं। वैसे यह कहना कठिन है कि जनप्रतिनिधि नामांकन भरते समय कितनी ईमानदारी से अपनी सफेद कमाई को दर्शाते हैं। जबकि अश्वेत कमाई का तो कोई जिक्र ही नहीं होता। आर्थिक आंकड़ों से खेलने वाली एक पूरी बिरादरी स्याह को श्वेत बनाने के खेल में पारंगत होती है। फिर करोड़पति की कोई सीमा नहीं कि उसकी संपत्ति कितने करोड़ों में है। रिपोर्ट में दूसरी चौंकाने वाली बात यह है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतने वाले माननीयों में 13 फीसदी का आपराधिक अतीत रहा है। इनमें से कई पर गंभीर अपराधों के लिये मुकदमें चल रहे हैं। यह मतदाताओं के लिये भी आत्ममंथन का समय है कि प्रत्याशी की हकीकत को जानते हुए भी उसे जिताने लायक वोट कैसे मिल जाते हैं। यूं तो जुबानी तौर पर हर बड़ा राजनीतिक दल लोकतंत्र में राजनीतिक शुचिता की वकालत करता नजर आता है, बड़ी–बातें दोहराता है। लेकिन हकीकत में स्थिति वही 'ढाक के तीन पात।' चुनाव आते ही ऐसी नकारात्मकता प्रत्याशी की जीत की गारंटी बन जाती है। जनता भी अब सुन–सुनकर थक चुकी है। उसे भी लगने लगा कि शायद यही विसंगति हमारी नियति बन गई है। वैसे राजनेताओं के साथ ही मतदाता भी इस राजनीतिक विद्रूपता के लिये कम जिम्मेदार नहीं है, जो छोटे–छोटे प्रलोभनों के लिये मतदान करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं करता। दरअसल, आजादी के सात दशक बाद भी मतदाता को इतना विवेकशील बनाने की पहल राजनेताओं ने नहीं की कि वह अपने विवेक से राष्ट्रीय हितों को देखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। बहरहाल, करोड़पतियों के जनप्रतिनिधि संस्थाओं में वर्चस्व का एक निष्कर्ष साफ है कि आम आदमी के लिये चुनाव लड़ना अब दूर की कौड़ी बन गई है। यह कथन अब किताबों तक सीमित रह गया है कि जनतंत्र जनता द्वारा , जनता का और जनता के लिये होता है। कहा जाता है कि आजादी के बाद पहली बार हुए विधानसभा चुनाव में राजस्थान का एक विधायक ऐसा भी था, जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिये टिकट के पैसे तक नहीं थे। तब लोगों ने उनकी मदद की। बहरहाल, हमें स्वीकार करना होगा कि भले ही राजनीति में अब धनबल व बाहुबल अपरिहार्य हो, लेकिन इस स्थिति के लिये जनमानस भी कम जिम्मेदार नहीं है। हम सोचें कि क्षेत्रवाद,संप्रदायवाद, जातिवाद और छोटे–छोटे प्रलोभनों के लिये हम ऐसे प्रत्याशियों को जनप्रतिनिधि संस्थाओं में क्यों भेज देते हैं, जो वहां जाने लायक ही नहीं होते। हमें यह भी सोचना होगा कि मुफ्त की रेवड़ियों के अलावा चंद रुपयों व सुरा के लिये सुर बदलने वाले लोग कौन हैं? कहीं न कहीं यह हमारे सामाजिक मूल्यों के पराभव का प्रमाण भी है। जब कहते हैं कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का हिस्सा होने का गौरव रखते हैं, तो यही बड़प्पन हमारे लोकतांत्रिक व्यवहार में दिखायी देना चाहिए। हमें अपने बेशकीमती वोट के दायित्व का बोध भी होना चाहिए। उसकी गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिए, ताकि हमारे लोकतंत्र पर दागी और धनाढ्य लोगों का वर्चस्व स्थापित न हो। हम ध्यान रखें कि जब करोड़पतियों के हाथ में सत्ता की बागडोर आती है तो उनकी संपत्ति अगले चुनाव तक दिन दूनी–रात चौगुनी गति से बढ़ती है। ऐसे जनप्रतिनिधियों का लक्ष्य अपने लिये ही नहीं बल्कि आने वाली सात पीढ़ियों के लिये धन–संपदा जुटाना होता है। जिसमें हमारी जरूरतों को पूरी करने वाली व्यवस्था के लिये आवंटित धन तथा अनैतिक तौर–तरीकों से जुटाया पैसा भी शामिल होता है। जो भ्रष्टाचार की अंतहीन शृंखला को जन्म देता है। दरकते पुलों, धंसती सड़कों, बीमार अस्पतालों तथा बदहाल शिक्षा व्यवस्था को भ्रष्टाचार की परिणति के रूप में देखा जा सकता है।

वन संरक्षण के देसी उपाय

सुरेश भाई

खेती का काम मिट्टी, पानी, गोबर के बिना नहीं चल सकता। गोबर पशुपालन से ही संभव है। पशुपालन तभी तक जिंदा है जब तक जंगल और उसके बीच में चारागाह हैं। पशुओं का गोबर भी अकेला नहीं है। उसमें भी पेड़– पौधों की पत्तियां जब पशुओं के नीचे बिछाई जाती हैं तभी खाद बनतीहै।

दुनिया में जब से खेती का काम शुरू हुआ होगा तभी से वनों का महत्व इंसान की समझ में आया होगा। खेती का काम मिट्टी, पानी, गोबर के बिना नहीं चल सकता। गोबर पशुपालन से ही संभव है। पशुपालन तभी तक जिंदा है जब तक जंगल और उसके बीच में चारागाह हैं। पशुओं का गोबर भी अकेला नहीं है। उसमें भी पेड़– पौधों की पत्तियां जब पशुओं के नीचे बिछाई जाती हैं तभी खाद बनतीहै। इसी तरह पानी भी ग्लेशियर और पेड़ों के बीच से ही आता है जो गांव के किनारे नदियों और अन्य जलधाराओं के रूप में धीरे–धीरे बहकर आगे जा रहा है। इसलिए खेती–बाड़ी, पानी, हवा, मिट्टी हमारा जीवन है और इसके कारखाने हमारे चारों ओर के जंगल हैं। आदिकाल से ही लोगों ने वन बचाने के लिए वन पंचायतें बनाई हैं। गांव में खेती एवं वन सुरक्षा के लिए चौकीदारी व्यवस्था को महत्व दिया गया था। जंगल पर निर्भर लोगों ने वनों से घास और लकड़ी लेने के नियम भी बनाये थे। इसके संकेत आज भी पहाड़ी और आदिवासी गांवों में दिखाई देते हैंकई जगहें, खासकर पहाड़ों में जंगल के रास्ते पर लकड़ी के तराजू बने हुए हैं। जब लोग जंगल से घास, लकड़ी लेकर आते हैं तो वन–पंचायत द्वारा नियुक्त चौकीदार हरेक के बोझ को तौलता है। इसका वजन 70–80 किलोग्राम से अधिक होता है तो वन–चौकीदार बोझ से घास या लकड़ी निकालकर अलग करेगा और जिसके बोझ में कम वजन है उसमें मिला देगा। सभी लोग चौकीदार को हर फसल पर अनाज के रूप में मदद करते हैं। जून से सितंबर के बीच चारागाहों में पशुओं को नहीं भेजा जाता। इन महीनों में नई–नई घास और पौधे जंगल में उगते हैं जिनकी सुरक्षा के लिए लोग पशुओं को घर पर रखकर चारे की व्यवस्था करते थे। ये बातें आजकल स्कूलों में नहीं पढ़ाई जातीं। फलस्वरूप जीवन शैली उस तरह की नहीं है जिससे पर्यावरण स्वस्थ रहे। जीवन को सुखमय बनाने वाली मिट्टी, पानी, जंगल, हवा प्रदूषणमुक्त हो। इस बारे में जितना पढ़ रहे हैं उतना ही हमारा प्रकृति के प्रति विपरीत आचरण सामने आ रहा हैं। ताजुब होगा कि जब न कोई विज्ञान का सिद्धांत था और न कोई पुस्तक और न ही इस तरह की चकाचौंध थी, जैसे कि आज हमारे चारों ओर है, लेकिन मनुष्य ने आदिकाल से ही अपनी खेती–बाड़ी के महत्व के लिए जंगलों का प्रबंधन करना शुरू कर दिया था। वर्ष 1815 से पहले जब अंग्रेज यहां आए थे तो लोग अपनी आजीविका के लिए वनों का प्रबंधन करते थे। उदाहरण है कि 1850 तक अंग्रेज फ्रेडरिक विल्सन ने गंगा घाटी के उद्गम में स्थित हर्षिल में रहकर तत्कालीन टिहरी नरेश सुदर्शन शाह से सिर्फ 400 रुपये में शंकु धारी वनों का पट्टा ले लिया था। उसने वहां के वनों का अंधाधुंध दोहन किया। गंगा घाटी से तमाम प्रकार की प्रजाति के पेड़ों को काटकर नदी के बहाव के साथ हरिद्वार और वहां से रेलवे लाइन बिछाने के लिए कोलकाता तक पहुंचाया गया। विल्सन ने इसकी आड़ में जंगली जानवरों का शिकार भी किया। इसी दौरान वर्ष 1823 में गांव की सीमाओं का भी निर्धारण किया गया था जिससे लोगों के अधिकारों को वनभूमि पर सीमित करने का प्रयास आरंभ हुआ था। अंग्रेजों ने इसके लिए वर्ष 1865 में पहला वन–अधिनियम बनाया था। इसके बाद सन् 1877 में वनों की सीमाओं को भी निर्धारित करने का काम हुआ। जिसमें मुनारा बनाकर वन–सीमायें तय की गई थीं। इस प्रक्रिया में खेती की जमीन को छोड़कर संपूर्ण भूमि सुरक्षित वनभूमि के रूप में बदली गई। अंग्रेजों के इसी कानून के कारण वनभूमि पर लोगों को अतिक्रमणकारी मानने का सिद्धांत लागू हुआ, लेकिन अंग्रेजों की इस व्यवस्था के विरोध में लोग सड़कों पर उतर आए। लोगों ने विरोध में वनों को आग के हवाले किया। यह घटना 1915–21 के बीच हुई थी। इसके बाद अंग्रेज शासन ने एक शिकायत समिति का गठन कर आरक्षित वनों को श्रेणी एक और श्रेणी दो में वर्गीकृत किया। इसमें लोगों के अधिकारों को लौटाने की व्यवस्था की गई। इसके बाद भी 1925 में शिकायत समिति की संस्तुतियों के आधार पर मद्रास प्रेसीडेंसी के कम्युनिटी फॉरेस्ट की तर्ज पर उत्तराखंड में भी पंचायती वन व्यवस्था को आरंभ किया गया। वर्ष 1931 में वन–पंचायत नियमावली बनाई गई जिसका गठन 1932 में प्रारंभ हुआ। उस समय उत्तराखंड में राजस्व ग्रामों की संख्या 13,739 थी। इसके अंतर्गत श्रेणी एक और श्रेणी दोश के अनुसार आरक्षित वनों के साथ सिविल वनों की भी वन–पंचायत बनाना आरंभ किया गया। सन् 1976 में भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 28 के अंतर्गत वन पंचायत नियमावली में संशोधन करके राजस्व विभाग को अधिकार दिए गए। इस संशोधन का बहुत विरोध हुआ। इसके बाद तत्कालीन उत्तरप्रदेश सरकार ने वर्ष 1982 में 19 सदस्यों वाली सुल्तान सिंह भंडारी कमेटी बनाई, लेकिन उनके जितने भी संशोधन थे वे स्वीकार नहीं हो सके। वर्ष 1997 में जब दुनिया में निजीकरण, उदारीकरण, वैश्वीकरण का दौर चरम सीमा पर था तब विश्वबैंक की सहायता से संयुक्त वन प्रबंधन योजना लागू की गई। इसको चलाने के लिए वन–पंचायत नियमावली में संशोधन किये गये। जिसके बाद वन–पंचायतों की स्वायत्तता को समाप्त करके वन विभाग के अधीन कर दिया गया और वन–पंचायत सरकार की देखरेख में चलने लगी। इससे हक–हुकूक भी प्रभावित हुए। अनुसूचित जाति के शिल्पकार और अन्य परंपरागत वन–निवासीश जो रिंगाल और अन्य वन–उत्पाद से आजीविका चला रहे थे, बेरोजगार हुए।

भागवत की शताब्दी कथा : खतरा, खतरा, खतरा!

राजेंद्र शर्मा

इस दशहरे से आरएसएस का शताब्दी वर्ष शुरू हो गया। इस मौके पर, आरएसएस के वर्तमान सरसंघचालक, मोहन भागवत के संबोधन से बहुत से लोगों ने अगर, शताब्दी पार के आने वाले वर्षों में आरएसएस की दशा–दिशा के बारे कुछ नया सुनने की उम्मीद लगा रखी थी, तो उन्हें जरूर निराशा हुई होगी। वैसे आरएसएस के भागवत काल में, जो काफी हद तक देश में मोदी के शासन का काल भी है, आरएसएस ने अपनी पहले की सार्वजनिक रौशनी तथा विशेष रूप से मीडिया से दूरी बनाए रखने की नीति को जिस तरह से बदला है और मीडिया में अपना पक्ष रखने को अपना एक महत्वपूर्ण काम बनाया है, उसके बाद से सरसंघचालक के आरएसएस के स्थापना दिवस यानी दशहरा के परंपरागत संबोधन का, उसकी दिशा के संकेतक का विशेष महत्व जाता रहा है। फिर भी यह किसी ने नहीं सोचा होगा कि शताब्दी संबोधन में संघ प्रमुख, मोदी राज के क्षमाप्रार्थी बनकर, सिर्फ और सिर्फ उसका बचाव करने की मुद्रा में नजर आएंगे। बेशक, भागवत के दशहरा भाषण का एक अर्थ यह भी है कि कम से कम इसके बाद, पिछले आम चुनाव में मोदीशाही के फीके प्रदर्शन, भाजपा के 240 के आंकड़े पर अटक जाने तथा बहुमत के लिए एनडीए के अपने सहयोगियों पर निर्भर होकर रह जाने के बाद से मीडिया में लग रही इस आशय की अटकलों पर पूर्ण विराम लग जाना चाहिए कि आरएसएस, मोदीशाही से नाखुश है, वह मोदीशाही पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रहा है, आदि। भागवत के संबोधन से यह स्पष्ट है कि आरएसएस के मोदीशाही से लोगों की नाराजगी को, उस पर अंकुश लगाने का औजार बनाने या कम से कम उससे असंतुष्ट होने की सारी अटकलें झूठी थीं और आरएसएस प्राण–पण से मोदीशाही के साथ खड़ा है। और यह होना ही स्वाभाविक भी था क्योंकि आरएसएस को इसका बखूबी एहसास है कि मोदी राज के कंधों पर चढ़कर ही वह इस स्थिति में पहुंचा है, जहां वह हिंदू राष्ट्र (और वास्तव में हिंदू राज) के अपने सपने को तेजी से न सही, रेंगकर ही सही, एक वास्तविकता में तब्दील होते देख सकता है। शताब्दी वर्ष में आरएसएस को आंशिक हिंदू राज का गिफ्ट देने वाली मोदीशाही के प्रति, भागवत का इतना कृतज्ञता ज्ञापन तो बनता भी था! बहरहाल, भागवत कोई साधारण कृतज्ञता ज्ञापन पर ही नहीं रुक गए हैं। वह मोदीशाही के खिलाफ आम चुनाव में सामने आए और उसके बाद से बार–बार रेखांकित हो रहे, जनता के असंतोष के खिलाफ तलवार बल्कि कहना चाहिए त्रिशूल लेकर मैदान में कूद पड़े हैं। इस त्रिशूल के तीन शूल हैंकृखतरा, खतरा और खतरा! भागवत सचेत रूप से अपने इस संबोधन के लिए खतरा–कथा का ही चुनाव करते हैं। अपने एक घंटे से लंबे संबोधन में भागवत इसका बखान करते हैं कि कैसे भारत खतरे में हैं, भारत की परंपरा खतरे में है, भारत की संस्कृति खतरे में है, भारत का समाज खतरे में है, भारत का धर्म खतरे में है। और हिंदू शब्द का प्रयोग किए बिना, सबसे बढ़कर इसका बखान करते हैं कि कैसे हिंदू खतरे में है। भारत में ही नहीं, दुनिया भर में ही और इसके लिए वह बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ ज्यादतियों के बहाने, हिंदुओं को संगठित करने की महत्ता का बखान भी करते हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि खतरे की यह कथा सुनाने में भागवत इस विडंबना पर तनिक भी नहीं हिचकते हैं कि मोदी राज के दस वर्ष में अगर ये खतरे इतने अर्जेंट हो सकते हैं, तो इस राज में आगे ये खतरे और ज्यादा क्यों नहीं बढ़ेंगे? और यह भी बांग्लादेश में अगर हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय, अन्याय है, तो भारत में मोदीशाही में मुस्लिम और ईसाई भी, अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ता अन्याय, अन्याय क्यों नहीं है, जिसके खिलाफ अल्पसंख्यकों का संगठित होकर प्रतिकार करना उचित और जरूरी हो! बहरहाल, भागवत की इस खतरा–कथा की धार, अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने में कुछ भी नया नहीं है। यह तो आरएसएस के डीएनए में ही है। नयी न सही, फिर भी ध्यान देने वाली बात है, इस कथा में समाज के बंटने के खतरे का, जो वास्तव में डॉक्षहदुओं के ही बंटने का खतरा है क्योंकि अल्पसंख्यक तो समाज की उनकी परिभाषा से पहले ही बहिष्कृत हैं, अपेक्षाकृत नया पेच। यह पेच है, समाज के दबे–कुचले तबकों की संगठित होती आवाज के खतरे का। आरएसएस के इतिहास के जानकार बखूबी इस बात को जानते हैं कि मुसलमानों के डर की ही तरह, निचली जातियों के उभार का डर, आरएसएस को उसकी घुट्टी में मिला है बल्कि उसके संगठन की मूल प्रेरणा रहा है। फिर भी, मोदीशाही को हाल के दौर में दलितों–वंचितों की जिस तरह की मुखरता तथा सक्रिय आलोचना तथा विरोध का सामना करना पड़ा है और जिस तरह जातिगत जनगणना का मुद्दा इस परिघटना के केंद्र में आ गया है, उस पर आरएसएस के सरसंघचालक की खास निगाह रही है। इस सबकी अर्जेंसी जरूर नयी है। बेशक, आरएसएस ने औपचारिक रूप से जाति–आधारित आरक्षण के अपने विरोध को छोड़ दिया है। उसने औपचारिक रूप से यह स्वीकार करना भी शुरू कर दिया है कि अतीत में दलितों के साथ अन्याय हुआ हो सकता है और इससे उबारने के लिए आरक्षण जरूरी हो सकता है। इसके लिए, वह शब्दोंश से खुद हानि उठाकर भी कुछ उदारता की मांग करने के लिए भी तैयार है। लेकिन इन वंचितों का अपने अधिकारों के लिए मुखर होना और बराबरी के अधिकार के आधार पर संगठित होना, उसे हर्गिज मंजूर नहीं है। उसे सबसे बढ़कर इसी में हिंदुओं के बंटने का खतरा दिखाई देता है। यही जगह है जहां भागवत से लेकर मोदी तक, सब एक स्वर से योगी आदित्यनाथ का लगाया नारा दोहराने लगते हैंरू श्बंटोगे तो कटोगेश। मुस्लिमविरोधी गोलबंदी की इससे नंगी पुकार दूसरी नहीं हो सकती है। इसी पुकार की आड़ में मनुवादी–ब्राह्मणवादी आग्रहों को, एकता की पुकार के नाम पर चलाने की कोशिश की जा रही है, जोकि हमेशा से ही आरएसएस का पैंतरा रहा है। लेकिन, आरएसएस के दुर्भाग्य से वर्तमान राजनीतिक–सामाजिक परिस्थितियां उसे आज सामने आकर जातिगत जनगणना तक का विरोध नहीं करने दे रही हैं। इसलिए, जातिगत जनगणना का जिक्र तक किए बिना, उन राजनीतिक परिस्थितियों के बांटने वाला होने का रोना–धोना किया जाता है।बहरहाल, विभाजन का यह रोना सिर्फ सामाजिक रूप से वंचितों की आवाजों तक ही सीमित नहीं है। मौजूदा शासन की हर प्रकार की आलोचना, उसके हर प्रकार के विरोध को ही, बंटवारे के खाते में डाल दिया गया है। संघ प्रमुख के शब्दों में, श्समाज के लिए सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि समाज में विद्यमान भद्रता व संस्कार को नष्ट–भ्रष्ट करने के, विविधता को अलगाव में बदलने के, समस्याओं से पीड़ित समूहों में व्यवस्था के प्रति अश्रद्धा उत्पन्न करने के तथा असंतोष को अराजकता में रूपांतरित करने के प्रयास बढ़े हैं। वर्तमान व्यवस्था के प्रति नागरिकों से राजशाही की प्रजा जैसी श्रद्धा की मांग करने के साथ ही यह, लोगों की चिंता तथा परेशानियों की सभी आवाजों को, असंतोष को अराजकता में रूपांतरित करने के प्रयासश बनाने की कोशिश है। इतना ही नहीं, भागवत ने इस संकट की अपनी पहचान को, मोदीशाही के राजनीतिक मित्रों–शत्रुओं की पहचान से इस कदर एकरूप कर दिया है कि सभी विपक्ष–शासित राज्य इस चिंता की बात के दायरे में आ जाते हैं। आज देश की वायव्य सीमा से लगे पंजाब, जम्मू–कश्मीर, लद्दाख समुद्री सीमा पर स्थित केरल, तमिलनाडुय तथा बिहार से मणिपुर तक का संपूर्ण पूर्वांचल, अस्वस्थ है। इस सब के लिए जिम्मेदार आंतरिक शत्रुओं के रूप में कथित वोक, कल्चरल मार्क्सिस्ट आदि के नाम पर, तमाम वामपंथी, प्रगतिशील तथा जनतांत्रिक ताकतों को तो, संघ ने पहले से ही निशाने पर ले रखा था। इन संज्ञाओं के जरिए संघ अपने इन शत्रुओं को एक वैश्विक लड़ाई के खलनायक बनाने की कोशिश करता है। बहरहाल, आरएसएस के शताब्दी वर्ष में इन शत्रुओं को और भयानक बनाने के लिए, अब इनके साथ डीप स्टेट का नाम और जोड़ दिया गया है। विडंबना यह है कि अक्सर डीप स्टेट की अवधारणा, जनतांत्रिक व्यवस्था के बाहर से, राज्य को संचालित करने वाली जिस तरह की षडयंत्रकारी, सैन्य–अर्द्ध–सैन्य शक्तियों की ओर इशारा करती है, उसकी परिभाषा में वर्तमान दौर में तो सबसे फिट खुद आरएसएस ही बैठता है। बहरहाल, इस सारे रोने–धोने का एक ही मकसद है, मोदी निजाम के खिलाफ लड़ाई में अवाम को पूरी तरह से निरस्त्र करना।

धार्मिक उन्माद की बलि चढ़ते युवा

उत्तर प्रदेश के बहराइच के महराजगंज कस्बे (महसी तहसील) में दुर्गा विसर्जन पर गाने–बजाने को लेकर दो समुदायों में हुई भिड़ंत से उपद्रव हो गया। एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई, तो वहीं एक गम्भीर रूप से घायल है। इसके कारण पूरे जिले में बवाल मचा हुआ है। जुलूस में शामिल लोगों का आरोप है कि एक घर से उन पर पथराव किया गया इसलिये मामला बिगड़ा। यह भी आरोप है कि एक समुदाय के लोग रामगोपाल मिश्रा (24 वर्ष) नामक युवक को घर के भीतर घसीट ले गये जहां उसको गोली मार दी गई। उसकी वहीं मौत हो गई। उसे बचाने गये 28 साल के राजन को भी गोली मारी गई। वह गम्भीर रूप से जख्मी है। दूसरी तरफ ऐसे वीडियो भी वायरल हुए हैं जिसमें दिख रहा है कि वह युवक (रामगोपाल) एक घर की छत पर चढ़कर इस्लामी झंडा खींचकर गिरा रहा है और उसके साथ ही भगवा झंडा फहरा रहा है। दूसरे पक्ष का कहना है कि मामला इसी कारण से हिंसक टकराव में बदल गया। कई जगहों पर आगजनी हुई है तथा प्रदर्शन किये गये। पुलिस ने कई जगहों पर लाठियां भी चलाईं। बहराइच की यह घटना पिछले कुछ वर्षों से युवाओं को भड़काने तथा उन्हें उन्मादी बनाने के व्यापक षड्यंत्र का परिणाम ही प्रतीत होता है। देखा गया है कि धार्मिक जुलूसों के दौरान कुछ न कुछ ऐसा बवाल होता है या पैदा कर दिया जाता है जिससे मुठभेड़ की नौबत आ जाती है। खासकर, मस्जिदों के सामने से गुजरते हुए या समुदाय विशेष के मोहल्लों से निकलते हुए भड़काऊ नारे लगाये जाते हैं या काम किये जाते हैं ताकि दूसरे वर्ग में नाराजगी फैले। पुलिस की कार्रवाई भी कई बार

एकतरफा होती है। जिन घरों या इलाकों से पथराव करने के आरोप लगाये जाते हैं, उन क्षेत्रों में गिरफ्तारियों का दौर शुरू हो जाता है। बहुत से ऐसे वीडियो सामने आये हैं जिनमें पता चलता है कि पुलिस स्टेशनों में उनकी पिटाई भी की जाती है। यह नागरिक अधिकारों का हनन एवं कानूनों का सरासर उल्लंघन है। ऐसी घटनाएं किन लोगों की शह पर होती हैं, यह इसी बात से समझा जा सकता है कि बहराइच में उन्मादी भीड़ पुलिस प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग और दूसरी तरफ उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जय–जयकार कर रही थी। निश्चित रूप से यह खतरनाक स्थिति है। अब तक तो यह भी देखा जाता रहा है कि ऐसे मामले होने पर, वह भी विशेषकर उत्तर प्रदेश में शिकायत दर्ज होते ही, बुलडोजरों से आरोपियों के घरों को ध्वस्त कर दिया जाता रहा है। सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया फैसले के बाद ऐसी गैरकानूनी कार्रवाइयां फिलहाल स्थगित हैं। इसके बावजूद आरोपी, जो एक समुदाय विशेष के होते हैं, अन्य तरीकों से पुलिस एवं प्रशासन के हाथों प्रताड़ित होते हैं। कहना न होगा कि इनमें से ज्यादातर भारतीय जनता पार्टी एवं उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अथवा उनके किसी अनुषंगिक संगठनों से जुड़े लोग होते हैं। प्रत्यक्ष तौर पर तो ये धार्मिक जुलूस होते हैं लेकिन इनके पीछे राजनीतिक उद्देश्य निहित हैं। ऐसे जुलूसों के जरिए सियासी मकसद साधे जा रहे हैं– यह बात जुलूस में शामिल होने वालों, खासकर युवाओं को समझनी होगी। इसी मामले को देखें तो इसमें एक युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी। लोगों को इस बात पर गौर करना चाहिये कि बड़े नेताओं के बच्चे ऐसे फसादों से दूर रहकर अपना कैरियर बनाते हैं या फिर अच्छी नौकरियां करते हैं। कम पढ़े–लिखे, ड्रॉप आउट्स, निम्न वर्गीय परिवारों के बच्चों को ऐसे जुलूसों में लाया जाता है। दरअसल ऐसे आयोजन करने वालों के लिये उन लोगों की जानें बहुत सस्ती होती हैं जो उन्हें भड़काकर धार्मिक व पवित्र आयोजनों को हिंसक वारदात में बदलकर ध्रुवीकरण करते हैं और उनका अंतिम लाभ भी उन्हें या उनके राजनीतिक संगठनों को ही चुनावी सफलताओं के रूप में प्राप्त होता है। पिछले दिनों गणेश विसर्जन के दौरान भी देश के कुछ हिस्सों में इसी तरह की घटनाएं हुईं। उनमें भी एक वर्ग विशेष के लोगों को दोषी ठहराया गया। यह नैरेटिव ही लोगों के दिमागों में बिठा दिया गया कि एक समुदाय विशेष के लोग पत्थरबाज होते हैं। यहां तक कि वंदे भारत जैसी ट्रेन पर पत्थर चलाने वाले कुछ शरारती तत्व थे लेकिन उन घटनाओं को कुछ इस तरह से पेश किया गया कि ये लोग भारत में ही रहकर देश की तरक्की से जलने वाले लोग हैं। इस विमर्श को यहां तक विस्तार दिया गया कि कुछ ट्रेन दुर्घटनाओं का कारण भी इन्हीं तत्वों द्वारा पटरियों में पत्थर रखना बतलाया गया। विजयादशमी के अवसर पर आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत द्वारा जो भाषण दिया गया, वह इसी मानसिकता को उकसाने वाला था। हिन्दुओं को डराने के उद्देश्य से संघ व भाजपा बहुसंख्यकों को थोड़े से मुस्लिम समुदायों से बड़ा खतरा बताती रही है जिसका अंजाम ऐसी घटनाओं के रूप में होता है।

अनन्या पांडे

फैशन डिजाइनर रोहित बल के लिए रैंप वॉक कर हुईं भावुक

> रोहित बल के शो के ग्रैंड फिनाले की शोस्टॉपर अनन्या ने इंस्टाग्राम पर डिजाइनर के सिग्नेचर वेलवेट ब्लैक लहंगे में कई तस्वीरें पोस्ट कीं जिस पर कढ़ाई कर गुलाब उकेरे गए थे। उन्होंने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, "रोहित बल के साथ और उसके लिए वॉक करना एक फैशन ड्रीम जैसा है जो इतनी भावनाओं से भरा है और अपने परिवार लैक्मे फैशनवीक के साथ वापस आना हमेशा मजेदार होता है।"

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने दिग्गज फैशन डिजाइनर रोहित बल के लिए रनवे पर वॉक किया। बल ने स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण एक साल के ब्रेक के बाद कैटवॉक पर वापसी की है। उन्होंने इस अनुभव को भावनाओं से भरा फैशन ड्रीम बताया। रोहित बल के शो के ग्रैंड फिनाले की शोस्टॉपर अनन्या ने इंस्टाग्राम पर डिजाइनर के सिग्नेचर वेलवेट ब्लैक लहंगे में कई तस्वीरें पोस्ट कीं जिस पर कढ़ाई कर गुलाब उकेरे गए थे। उन्होंने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, "रोहित बल के साथ और उसके लिए वॉक करना एक फैशन ड्रीम जैसा है जो इतनी भावनाओं से भरा है और अपने परिवार लैक्मे फैशनवीक के साथ वापस आना हमेशा मजेदार होता है।" कमल और मोर की आकृतियों के इस्तेमाल के लिए मशहूर बल को हृदय संबंधी पुरानी समस्या के चलते पिछले साल गुरुग्राम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें साल 2010 में दिल का दौरा पड़ा था। बताया जाता है कि उनकी हालत गंभीर थी और उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। इस सप्ताह की शुरुआत में, यह घोषणा की गई थी कि अभिनेत्री 'सो पॉजिटिव पॉडकास्ट' के साथ पॉडकास्ट की दुनिया में शामिल हो गई हैं, जिसका उद्देश्य डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य पर फोकस करना है। मानसिक स्वास्थ्य और सोशल मीडिया के बारे में बात करते हुए अनन्या प्राजक्ता कोली, सुमुखी सुरेश, यशराज मुखाटे, अंकुश बहुगुणा और बेयूनिक जैसे कुछ बड़े इन्फ्लुएंसर्स के साथ बातचीत करती नजर आएंगी। प्रत्येक एपिसोड में रचनाकारों की गहन चर्चाएं और व्यक्तिगत कहानियां होंगी, जो श्रोताओं को आज की हाइपरकनेक्टेड दुनिया में मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए व्यावहारिक रणनीतियां प्रदान करेंगी। 'सो पॉजिटिव पॉडकास्ट' का पहला एपिसोड 15 अक्टूबर को आएगा। इससे पहले, अभिनेत्री ने फ्रांस की राजधानी में एक फैशन कार्यक्रम में भाग लिया, और पेरिस में अपनी सैर की कई तस्वीरें और वीडियो साझा किए। अभिनय के मोर्चे पर अनन्या को स्क्रीनलाइफ थ्रिलर सीटीआरएल में देखा गया था, जो एक लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जोड़े के इर्द–गिर्द घूमती है। कहानी बताती है कि कैसे एक एआई ऐप का उपयोग कंप्यूटर और सोशल मीडिया पर डिजिटल अस्तित्व को मिटाने के लिए किया जाता है और कैसे एआई का निर्माता चोरी–छिपे डेटा को नियंत्रित करना शुरू कर देता है।

उत्तराखंड में अपने खास दोस्तों संग समय बिताती दिखीं मृणाल ठाकुर

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों उत्तराखंड में शूटिंग कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ एक फोटो शेयर की है, जिसमें उन्हें उनके नए दोस्त के साथ देखा जा सकता है। मृणाल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सेट पर अपने पेट्स के साथ खेलती हुई नजर आईं। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट में 2011 में आई रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म रॉकस्टार से ए.आर. रहमान और मोहित चौहान के गाने नादान परिंदे को बैकग्राउंड स्कोर के तौर पर इस्तेमाल किया। पोस्ट पर कैप्शन देते हुए अभिनेत्री ने लिखा, मम्मा क्या मैं इन नादान परिंदे को घर ले जा सकती हूं ???? प्लीज प्लीज प्लीज। मृणाल की आगामी फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी भी हैं। आईफा के 24वें संस्करण में अभिनेत्री ने बताया था कि यह एक रोमांटिक फिल्म है। बता दें कि मृणाल की कई फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। जल्द ही बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन के साथ सन ऑफ सरदार में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। मृणाल वरुण धवन संग कॉमेडी फिल्म और पूजा मेरी जान भी दिखेंगी। 32 वर्षीय अभिनेत्री ने 2012 में टेलीविजन शो "मुझसे कुछ कहती है...ये खामोशियां" से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। उन्होंने "अर्जुन", "कुमकुम भाग्य" जैसे शो में काम किया है और "नच बलिए 7" में भी भाग लिया है। मृणाल शोभिता धुलिपाला, अर्जुन माथुर, जिम सर्भ, शशांक अरोड़ा, कल्कि कोचलिन, शिवानी रघुवंशी और मोना सिंह अभिनीत वेब सीरीज "मेड इन हेवन 2" का भी हिस्सा थीं। उन्होंने "सुपर 30", "बाटला हाउस", "धमाका", "सीता रामम", "हाय नन्ना", "जर्सी", "पिप्पा" और "द फैमिली स्टार" जैसी कई प्रसिद्ध फिल्मों में अभिनय किया है। हाल ही में वह प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दीपिका पादुकोण अभिनीत साइंस–फिक्शन थ्रिलर "कल्कि 2898 एडी" में दिव्या के किरदार में नजर आई थी। निर्देशन नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण वैजयंती मूवीज ने किया था।

नानी नीना गुप्ता ने बेटी की बेटी संग साझा की तस्वीर

दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता नानी बन गई हैं। और उन्होंने अपनी नवजात नातिन से इंस्टाग्राम फॉलोअर्स से मिलवाया भी है। एक पोस्ट शेयर कर लिखा, मेरी बेटी की बेटी। नीना ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें वह अपनी डिजाइनर बेटी मसाबा गुप्ता की नवजात बेटी को प्यार से गोद में लिए नजर आ रही हैं। अभिनेत्री बच्ची को देखते हुए मुस्कुरा रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरी बेटी की बेटी – रब रखा। मसाबा और उनके अभिनेता पति सत्यदीप मिश्रा की बेटी का जन्म 11 अक्टूबर को हुआ। दंपति ने दशहरा पर इस खबर की घोषणा की। दोनों की शादी 2023 में हुई थी। दोनों ने इंस्टाग्राम पर अपने पहले बच्चे के जन्म की खबर शेयर की। उन्होंने बच्ची के पैरों की एक मोनोक्रोमैटिक तस्वीर के जरिए भावनाएं जाहिर की थीं। उन्होंने लिखा, हमारी बहुत खास छोटी सी बिटिया एक बहुत ही खास दिन पर आई९। दोनों ने बताया कि उनकी बेटी का जन्म शुक्रवार को हुआ है। डिजाइनर मसाबा ने पहले निर्माता मधु मंटेना से शादी की थी। फिर 2019 में दोनों का तलाक हो गया। मसाबा ने एक शो में अपने करियर को लेकर बड़ी बात कही थी। कहा था कि उनकी मां नीना गुप्ता ने उन्हें अभिनय का पेशा अपनाने से मना कर दिया था। मसाबा ने इसकी वजह टाइपकास्ट होने से बचाना बताया। कहा कि वो जानती थीं कि मार्केट उनकी बेटी को एक बॉक्स में डाल देगा। क्वीनी सिंह द्वारा होस्ट किए गए पॉडकास्ट में, मसाबा ने कहा था, "उन्होंने मुझे एक अभिनेत्री बनने की अनुमति नहीं दी। मुझे याद है कि मुंबई में अनुपम खेर का एक्टिंग स्कूल है। और मैंने कहा, मैं अभिनय का अध्ययन करना चाहता हूं क्योंकि मैं एक अभिनेता बनना चाहता हूं। तब मां ने कहा, इसके बारे में सोचना भी मत। बोली थीं कि क्या तुम जानती हो कि तुम्हारा यह लुक बहुत अंतर्राष्ट्रीय और लगभग भारतीय नहीं है। आपको एक बॉक्स में डाल दिया जाएगा। और उस समय इंडस्ट्री बहुत अलग थी"। मसाबा अभिनेत्री नीना और वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर विवियन रिचर्ड की बेटी हैं। मसाबा का जन्म 1989 में हुआ था।

केरल: गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद अभिनेता बाला को मिली जमानत

> अभिनेता के खिलाफ नवीनतम मामला उनकी पूर्व पत्नी ने गत १२ अक्टूबर को कोच्चि के कदवंतरा थाने में दर्ज कराया था। पुलिस ने तुरंत उनकी पूर्व पत्नी और उनके बच्चे के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के लिए मामला दर्ज किया और बाला को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा। जब वह पेश नहीं हुए तो पुलिस सोमवार सुबह उनके घर पहुंची और उन्हें हिरासत में ले लिया और बाद में उनकी गिरफ्तारी दर्ज की गई।

जुवेनाइल जस्टिस (केयर एंड प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन) एक्ट में गिरफ्तार दक्षिण भारत के लोकप्रिय अभिनेता बाला को एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को जमानत दे दी। बाला की जमानत याचिका एर्नाकुलम के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट के समक्ष आई। कुछ सख्त शर्तों पर उन्हें जमानत दे दी गई। उन्हें विशेष रूप से निर्देश दिया गया है कि वह मामले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं देंगे। उन्हें मीडिया से भी बात करने की अनुमति नहीं होगी। 41 वर्षीय अभिनेता अपनी पत्नी से 2019 में अलग हो गए थे। उनकी पूर्व पत्नी टीवी शो की एक लोकप्रिय गायिका हैं। दोनों ने 2010 में शादी की थी। शादी के कुछ साल बाद ही उनके रिश्ते में खटास आ गई और 2015 से दोनों सार्वजनिक रूप से भी लड़ते रहे हैं। अभिनेता के खिलाफ नवीनतम मामला उनकी पूर्व पत्नी ने गत 12 अक्टूबर को कोच्चि के कदवंतरा थाने में दर्ज कराया था। पुलिस ने तुरंत उनकी पूर्व पत्नी और उनके बच्चे के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के लिए मामला दर्ज किया और बाला को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा। जब वह पेश नहीं हुए तो पुलिस सोमवार सुबह उनके घर पहुंची और उन्हें हिरासत में ले लिया और बाद में उनकी गिरफ्तारी दर्ज की गई। इस बीच बाला के वकील ने कहा कि पूरा प्रकरण एक साजिश के अलावा कुछ नहीं है और वह कानून के अनुसार आगे बढ़ेंगे। भले ही वे अलग हो गए हों, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में दोनों के बीच कुछ ऐसा हुआ जिससे तीखी नोकझोंक हुई। यह तब शुरू हुआ जब उनकी बेटी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें बताया गया कि अभिनेता बाला उसे परेशान कर रहे थे। हालांकि, बाला ने इस बात से इनकार किया और अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि यह उनका सबसे दर्दनाक अनुभव था। बाला एक बेहद लोकप्रिय फिल्मी परिवार से आते हैं, जहां उनके पिता और दादा प्रमुख हस्तियां हैं और वे अरुणाचल स्टूडियो के मालिक हैं। बाला ने 2002 में तेलुगु फिल्म से अपनी शुरुआत की और मलयालम फिल्म उद्योग सहित दक्षिण भारतीय फिल्मों में बड़ी सफलता हासिल की। उन्होंने 2012 की मलयालम एक्शन फिल्म द हिटलिस्ट से निर्देशन में कदम रखा, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। बता दें कि पिछले साल अभिनेता ने लीवर ट्रांसप्लांट सर्जरी करवाई थी।

नवजात में बच्चों में आम होती है क्रेडल कैप की समस्या, हर पेरेंट्स को जाननी चाहिए इससे जुड़ी ये 5 बातें

नवजात बच्चों में जन्म के बाद से ही स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ जाती हैं। नवजात बच्चों को सिर्फ हेल्थ से संबंधित नहीं बल्कि बालों और त्वचा संबंधी समस्याएं भी होती हैं। इसलिए माता–पिता को बच्चों का खास ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। बच्चों को जन्म के 2–3 महीने बाद स्कैल्प पर क्रैडल कैप की समस्या हो सकती है। क्रैडल कैप की समस्या होने पर बच्चे के स्कैल्प पर पीली पपड़ीदार परत नजर आती है। जो देखने में दर्द देने वाला नजर आता है। लेकिन कुछ लोग इस समस्या से जुड़ी कुछ बातों से अंजान होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको क्रैडल कैप के बारे में कुछ जरूरी बातें बताने जा रहे हैं।

शिशुओं में क्रैडल कैप से जुड़ी जरूरी बातें

शिशुओं में होने वाली स्किन समस्या

क्रैडल कैप नवजात बच्चों में होने वाली एक आम स्किन से जुड़ी समस्या है। यह समस्या आमतौर पर बच्चे के पैदा होने के कुछ महीनों बाद होती है। इस समस्या के कारण बच्चे के स्कैल्प पर जन्म के कुछ महीनों तक पपड़ीदार परत नजर आती है। हालांकि यह समय के साथ धीरे–धीरे ठीक भी हो जाती है।

पपड़ीदार पैच

बता दें कि नवजात बच्चों के स्कैल्प पर क्रैडल कैप मोटे, पीले या भूरे रंग के पपड़ीदार पैच के रूप में नजर आते हैं। यह चिकना और डैंड्रफ भरा नजर आता है। इसकी वजह से बच्चों का स्कैल्प काफी खराब नजर आता है।

क्रैडल कैप दर्द रहित

शिशुओं के स्कैल्प पर क्रैडल कैप की समस्या होती है, जोकि देखने में काफी दर्दभरी और समस्या वाली नजर आती है। लेकिन आमतौर पर यह हानिरहित होती है। इसकी वजह से बच्चों के स्कैल्प पर खुजली या उन्हें असुविधा न के बराबर होती है।

हल्की कंघी और ब्रश का करें इस्तेमाल

आमतौर पर हफ्तों या महीनों में शिशुओं के स्कैल्प पर क्रैडल कैप अपने आप ठीक हो जाती है। आप ब्रश और हल्के हेयर वॉश की मदद से क्रैडल कैप को कम या फिर खत्म कर सकती हैं।

इलाज

अगर जरूरत हो तो स्कैल्प पर मौजूद पपड़ी को आसानी से हटाने के लिए आप हल्के बेबी शैंपी या ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि इसके लिए आप किसी डॉक्टर या एक्सपर्ट की भी सलाह ले सकती हैं।

करवा चौथ 2024: पूजा का शुभ मुहूर्त और भद्रा का साया कब? जानिए सबकुछ

करवा चौथ 2024 का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है, जो पति की लंबी उम्र और सुख–समृद्धि के लिए निर्जला व्रत करती हैं। इस साल करवा चौथ का त्योहार 20 अक्टूबर 2024 को मनाया जाएगा, लेकिन इस बार एक महत्वपूर्ण बात यह है कि इस दिन भद्रा काल भी रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भद्रा काल में कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता। इस लेख में हम करवा चौथ के सही मुहूर्त, पूजा विधि और भद्रा के समय के बारे में जानेंगे ताकि आप इस पावन व्रत को पूरी श्रद्धा और सही समय पर कर सकें।

करवा चौथ का महत्व

करवा चौथ का त्योहार भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस दिन महिलाएं पूरे दिन बिना पानी और भोजन के व्रत रखती हैं और शाम को चंद्र दर्शन के बाद अपने पति के हाथों से जल ग्रहण कर व्रत खोलती हैं। व्रत के दौरान महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं और भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश, और देवी करवा की पूजा करती हैं। यह व्रत न केवल पति की दीर्घायु के लिए बल्कि दांपत्य जीवन की सुख–शांति के लिए भी किया जाता है।

करवा चौथ 2024 की तारीख और तिथि

इस साल करवा चौथ का व्रत 20 अक्टूबर 2024 को रखा जाएगा। पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 20 अक्टूबर 2024 को सुबह 6.46 बजे होगी, और यह तिथि 21 अक्टूबर 2024 को सुबह 4. 16 बजे समाप्त होगी। इसलिए, उदयातिथि के आधार पर करवा चौथ 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

पूजा का शुभ मुहूर्त

करवा चौथ के दिन देवी–देवताओं की पूजा का शुभ समय शाम को होता है। इस वर्ष पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5.46 बजे से लेकर 7.02 बजे तक रहेगा। इस समय के दौरान देवी पार्वती, भगवान शिव, गणेश जी और देवी करवा की पूजा करना विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है। इस पूजा के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोला जाता है।

करवा चौथ पर चंद्रमा का उदय समय

चंद्र दर्शन करवा चौथ का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। पंचांग के अनुसार, चंद्रमा का उदय 7रू44 बजे होने की संभावना है। इसके बाद महिलाएं छलनी से चंद्रमा और फिर अपने पति को देखकर व्रत खोलती हैं। व्रत का पारण यानी व्रत समाप्ति का समय 7.53 बजे के बाद होगा। इस समय के बाद महिलाएं जल या भोजन ग्रहण कर सकती हैं।

भद्रा का साया और इसका महत्व

इस साल करवा चौथ पर भद्रा काल का समय भी रहेगा, जो किसी भी शुभ कार्य के लिए अशुभ माना जाता है। इस वर्ष भद्रा काल का समय 20 अक्टूबर को सुबह 6.25 बजे से लेकर 6.46 बजे तक रहेगा। भद्रा का वास स्वर्ग में होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए, क्योंकि भद्रा काल में किए गए कार्यों में सफलता प्राप्त होने की संभावना कम होती है। इस समय पूजा या व्रत से जुड़े किसी भी कार्य को करने से बचना चाहिए।

करवा चौथ पूजा विधि

करवा चौथ के दिन महिलाएं सुबह स्नान करके भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश, और देवी करवा की पूजा करती हैं। पूजा के समय एक करवा में जल भरकर रखा जाता है और देवी करवा की विधिवत पूजा की जाती है। इस दिन सोलह श्रृंगार करने का विशेष महत्व होता है। महिलाएं दिनभर व्रत रखती हैं और संध्या समय चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत को पूर्ण करती हैं। पति की दीर्घायु और सुखी जीवन के लिए किए गए इस व्रत को अत्यंत फलदायी माना गया है।

करवा चौथ व्रत के लाभ

करवा चौथ का व्रत पति की लंबी उम्र के लिए किया जाता है और इसे सुहागिनों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। यह व्रत दांपत्य जीवन में सुख और शांति लाता है। इस व्रत से घर में समृद्धि और खुशहाली आती है। यह व्रत महिलाओं के दृढ़ संकल्प और श्रद्धा को दर्शाता है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस साल करवा चौथ के शुभ अवसर पर इन बातों का ध्यान रखकर आप व्रत को सही समय और विधि से पूरा कर सकती हैं। भद्रा काल के समय कोई भी पूजा या शुभ कार्य न करें और चंद्रमा के उदय के बाद ही व्रत खोलें।

करवा चौथ के लिए खरीदना है सोना? तो पहले जानिए इस समय आपको फायदा होगा या नुकसान

त्योहारों का सीजन है और सोने के दाम बढ़ना लाजमी है। सोने के दामों के उतार– चढ़ाव को देखते हुए महिलाएं असमंजस में हैं कि इस समय सोना खरीदना सही रहेगा या नहीं। बाजार के जानकारों की मानें तो पिछले दो दिन से सोने के दाम में थोड़ी गिरावट देखने को मिल रही है ऐसे में अच्छा होगा इसे आज ही खरीद लें। हालांकि अगर आप शादी के लिए सोने खरीदने की सोच रहे हैं तो फिर थोड़ा रूकना ही बेहतर होगा, त्योहारों तक दाम कम होने की बजाय बढ़ेंगे ही। दामों की बात करें तो सोमवार को सोने की कीमत 34 रुपये की गिरावट के साथ 76,273 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई थी। आज 22 कैरेट सोने की कीमत 77,700 के आस–पास बताई जा रही है। यानी कि लगातार दूसरे दिन सोने के दामों में कुछ ठहराव आया है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक बाजारों में कमजोरी के संकेतों के कारण सोने की कीमतों में गिरावट आई है। वहीं चांदी 500 रुपए उछलकर 93,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले 7 अक्टूबर को सोने की कीमत रिकॉर्ड 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई थी, जिससे ग्राहकों की चिंता काफी बढ़ गई थी। मार्केट एक्सपर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में सोने की कीमतें बढ़ेंगी और आसमान रेट छूएंगे। जैसे–जैसे ध नतेरस पास आएगा वैसे ही सोने की कीमतें भी बढ़ती जाएगी। अगर करवा चौथ के लिए कुछ खरीदना है तो बिलकुन देर ना करें। वहीं अगर कुछ महीने बाद घर में शादी है तो अभी रुकना ही सही रहेगा।

करवा चौथ के लुक में चार चांद लगा देंगी ये खूबसूरत साड़ियां, पतिदेव की नजरें आप पर रहेंगी

शादीशुदा महिलाओं के लिए करवा चौथ का त्योहार बेहद खास माना जाता है। पति के सलामती के लिए करवा चौथ का व्रत रखा जाता है। ऐसे में हर महिला चाहती है करवा चौथ पर वह सबसे सुंदर लगे। इस दिन हर एक महिला चाहती है कि श मैं अपने पति के सामने सबसे सुंदर दिखूंश अगर आप भी यही चाहती हैं तो हम आपके लिए बेहतरीन लाल साड़ी का आइडियाज लेकर आए हैं। करवा चौथ पर महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखते हैं। इस दिन सुहागिन सूर्योदय से चंद्रोदय तक कठोर निर्जला व्रत रखती हैं। इस दिन महिलाएं अपने सुहाग के लिए सोलह श्रृंगार करती हैं। इस साल 20 अक्टूबर 2024 को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। विवाहित महिलाएं बहुत उत्साह के साथ यह व्रत रखती है। इस करवा चौथ पर इन साड़ियों को जरुर पहनें।

राजस्थान की लहरिया साड़ियां

राजस्थान की लहरिया साड़ियां काफी ट्रेंड में रहती है। इस साड़ी को करवा चौथ के त्योहार पर जरुर पहनें। ये साड़ियां रंग–बिरंगी लहरियों के लिए जानी जाती है। इन साड़ियों को टाई और डाई प्रोसेस के उपयोग करके बनाया जाता है। इस करवा चौथ पर यह लाल रंग और शानदार डिजाइन वाली पारंपरिक साड़ियां ट्रेंडी लुक देने में मदद करेंगी।

गुजरात की बंधी साड़ियां

गुजरात की बंधी साााड़ियां सबसे प्रसिद्ध हैं। त्योहारों और शादी के मौसम में इन साड़ियों को पहनना बेहद खास माना जाता है। इन साड़ियों को टाई डाई प्रोसेस का उपयोग करके बनाया जाता है। करवा चौथ पर इन साड़ियों को पहनना एकदम अनोखा लुक देगा।

उत्तर प्रदेश की बनारसी साड़ी

उत्तर प्रदेश की बनारसी साड़ी एकदम रॉयल लुक देती है। बनारसी साड़ी अपनी सोने और चांदी की जरी, कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध है। करवा चौथ पर इस साड़ी को पहनकर आप बला की खूबसूरत लगेंगी। आपके पति की नजर आप रहेंगी।

तमिलनाडु की कांजीवरम साड़ियां

तमिलनाडु की कांजीवरम साड़ियां काफी प्रसिद्ध है। यहां कि साड़ियां भारत की सबसे खूबसूरत साड़ियों में से एक है। करवा चौथ पर इन साड़ियों का चयन करना आपको साधारण लुक देगा। कांजीवरम साड़ी पहनकर आप करवा चौथ पर चार चांद लगा देंगी।

संक्षिप्त

भारतीय ब्रांड को दुनिया में स्थापित करने के लिए गुणवत्ता जरूरी, पीयूष गोयल ने की ये अपील

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग जगत के दिग्गज रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि रतन टाटा ने बहुत कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़कर नेतृत्व किया, और वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय समूह बनाया। उन्होंने समूह की उपलब्धियों के साथ भारत को गौरवान्वित किया। भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन प्रतिष्ठान (आईएफक्यूएम) की ओर से आयोजित प्रथम वार्षिक संगोष्ठी में केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग जगत के दिग्गज रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि रतन टाटा ने बहुत कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़कर नेतृत्व किया, और वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय समूह बनाया। उन्होंने समूह की उपलब्धियों के साथ भारत को गौरवान्वित किया। गोयल ने कहा, ष्रतन टाटा ने ब्रांड इंडिया को दुनिया भर में, सीमाओं के पार ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने वास्तव में यह दुनिया को यह दिखाया कि हम यह कर सकते हैं, हमारे पास दुनिया में बदलाव लाने की क्षमता है। उन्होने एक सख्त एग्जीक्यूटिव की छवि होने के बावजूद, इसे बहुत ही दयालु तरीके से किया। उनका नेतृत्व हमें बहुत कुछ सिखाता है। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इस दृष्टिकोण के बिना भारत को वास्तव में प्रतिस्पर्धी बनाना बहुत मुश्किल होगा। गोयल ने जोर देकर कहा कि गुणवत्ता को प्राथमिकता देने से न केवल घरेलू मांगें पूरी होंगी बल्कि भारत वैश्विक बाजारों की सेवा करने की स्थिति में भी आएगा। उन्होंने कहा, इससे नौकरियां पैदा करने, आर्थिक गतिविधि का विस्तार करने और भारत की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने की हमारी क्षमता प्रभावित होगी। गोयल ने उद्योग जगत के नेताओं से गुणवत्ता को एक दीर्घकालिक बदलाव के रूप में अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त ब्रांड बनने के लिए, भारत को अपने उत्पादों और सेवाओं को गुणवत्ता का पर्याय बनाना चाहिए।

एनवीडिया लिखने जा रही है इतिहास, जल्द बन सकती है एप्पल को पछाड़कर दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी

एनवीडिया के शेयर अब तक के उच्चतम स्तर पर बंद हुए, जिसके साथ ही यह दिग्गज एआई चिप निर्माता कंपनी एप्पल को दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी के रूप में पीछे छोड़ने की कगार पर पहुंच गई है। यह तब हुआ जब निवेशक एनवीडिया के वर्तमान और अगली पीढ़ी के एआई प्रोसेसर पर दांव लगा रहे हैं, जिसके कारण जेन्सेन हुआंग के नेतृत्व वाली कंपनी का स्टॉक 2.4 प्रतिशत चढ़कर 138.07 डॉलर पर पहुंच गया। जून में एनवीडिया कुछ समय के लिए दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई थी। माइक्रोसॉफ्ट ने इसे पीछे छोड़ दिया क्योंकि दोनों कंपनियों का बाजार पूंजीकरण कई महीनों से बराबर चल रहा था। एनवीडिया का बाजार मूल्य 3.39 ट्रिलियन डॉलर है, जो एप्पल के 3.52 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा कम और माइक्रोसॉफ्ट के 3.12 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है। एनवीडिया, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट एसएंडपी 500 के भार का लगभग पांचवां हिस्सा हैं, जिससे सूचकांक के दिन–प्रतिदिन के लाभ और हानि पर उनका भारी प्रभाव पड़ता है। उभरती हुई एआई तकनीक पर प्रभुत्व स्थापित करने के लिए अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न और अन्य प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के बीच होड़ में एनवीडिया वॉल स्ट्रीट की सबसे बड़ी विजेता रही है। टीडी कोवेन के विश्लेषकों ने एक रिपोर्ट में लिखा, हमारा मानना है कि एआई क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां ... एक ऐसे निवेश माहौल का सामना कर रही हैं, जिसमें कैदी की दुविधा जैसी स्थिति है – प्रत्येक को खर्च जारी रखने के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि ऐसा न करने की लागत (संभावित रूप से) विनाशकारी है।

खतरे में है हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, टी20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद BCCI कर सकता है बदलाव

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला टीम टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई हैं। जिसके बाद हरमनप्रीत कौर की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। वहीं भारतीय कंट्रोल बोर्ड इस बात पर फैसला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है कि यूएई में महिला टी20 वर्ल्ड कप से जल्दी बाहर होने के बाद भारतीय महिला टीम को नए कप्तान की जरूरत है या नहीं।

हाल के वर्षों में पहली बार हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम नॉकआउट चरण तक भी नहीं पहुंच पाई और आईसीसी ट्रॉफी के लिए उनका इंतजार जारी रहा। इंडियन एक्स्प्रेस को मिली जानकारी के अनुसार बीसीसीआई चयन समिति और मुख्य कोच अमोल मजूमदार के साथ हरमनप्रीत की कप्तान के भविष्य पर चर्चा करने के लिए बैठक करेगा। साथ ही ये भी कहा जा रहा है कि, बैठक 24 अक्टूबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम के चयन से पहले होगी। संयोग से, हरमनप्रीत ने 2016 में भारत की टी20 कप्तान के रूप में पदभार संभाला था, जब टीम घरेलू सरजमीं पर आयोजित टूर्नामेंट की सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रही थी। 2024 के टूर्नामेंट से पहले हरमनप्रीत की अगुवाई में भारत नॉकआउट में जगह बनाने में कायमबा रहा है और 2020 के सीज में फाइनल में पहुंची, लेकिन जीत नहीं पाई। 2024 में एक मजबूत टीम होने के बावजूद, भारत पहले ही मैच में न्यूजीलैंड से हार गया, जिससे सेमीफाइनल में पहुंचने की उनकी संभावनाएं काफी कम हो गईं। पिछले रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें हराकर बाहर कर दिया। हालांकि, हरमनप्रीत की जगह भारतीय टीम में सुरक्षित है,

कामरान गुलाम डेब्यू टेस्ट में जड़ा शतक, इस भारतीय ने 92 साल पहले किया था ऐसा

इंग्लैंड के खिलाफ जब दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए बाबर आजम को पाकिस्तान टीम से बाहर किया गया था तब काफी हंगामा मचा था। उनकी जगह टीम में कामरान गुलाम को लाया गया और दूसरे टेस्ट की पहली पारी में नंबर 4 पर खेलते हुए इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाकर उन्होंने खुद को साबित भी कर दिया। 29 साल के कामरान गुलाम ने अपने डेब्यू टेस्ट की पहली ही पारी में शतक लगाया जबकि बाबर आजम ऐसा नहीं कर पाए थे। यही नहीं कामरान गुलाम डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए दुनिया के छठे बल्लेबाज भी बने और कई दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हुए, लेकिन डेब्यू टेस्ट मैच में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज भारत के थे और उन्होंने 94 साल पहले ऐसा कमाल किया था। इंग्लैंड के खिलाफ कामरान गुलाम ने मुल्तान में दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 224 गेंदों पर 118 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने एक छक्का और 11 चौके भी लगाए का कमाल किया और ये टेस्ट में उनका पहला शतक भी रहा। इस पारी के बाद कामरान अकमल डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक लगाने वाले वर्ल्ड के चौथे बल्लेबाज बने साथ ही पाकिस्तान के दूसरे खिलाड़ी बने। डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर कामरान से पहले पाकिस्तान के लिए सलीम मलिक ने साल 1982 में शतकीय पारी खेली थी। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में डेब्यू मैच में चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक लगाने का कमाल करने वाले पहले खिलाड़ी भारत के थे। नवाब ऑफ पटौदी ने साल 1932 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक लगाया था। उन्होंने ये कमाल 92 साल पहले किया था। वहीं भारत की तरफ से ये कमाल गुणडप्पा विश्वनाथ भी कर चुके हैं। उन्होंने साल 1969 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक लगाया था। भारत के लिए ऐसा अब तक सिर्फ इन दो खिलाड़ियों ने किया है।

कामरान गुलाम ने अपने डेब्यू टेस्ट की पहली ही पारी में शतक लगाया जबकि बाबर आजम ऐसा नहीं कर पाए थे। यही नहीं कामरान गुलाम डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए दुनिया के छठे बल्लेबाज भी बने और कई दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हुए।

क्रेडिट कार्ड से बढ़ी खरीदारी, दिवाली तक बिकेंगे 3.5 करोड़ स्मार्टफोन; यूपीआई लेनदेन भी बढ़ा

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन शुरू होते ही खरीदारी में भी तेजी आने लगी है। स्मार्टफोन

से लेकर कपड़ों तक की जमकर बिक्री हो रही है। तमाम ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर क्रेडिट कार्ड के जरिये अधिक खरीदारी हो रही है। यूपीआई लेनदेन भी बढ़ गए हैं। काउंटरपाइंट की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस त्योहारी सीजन महंगे स्मार्टफोन की बिक्री ज्यादा हो रही है। अक्तूबर के पहले दो सप्ताह में 45,000 रुपये से अधिक कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री 12 फीसदी बढ़ गई है। दिवाली तक कुल 3.5 करोड़ स्मार्टफोन बिकने की उम्मीद है। पूरे साल के दौरान बिकने वाले स्मार्टफोन में त्योहारी बिक्री की हिस्सेदारी 30 फीसदी होती है। उधर, तीन से लेकर 12 अक्तूबर तक रेजरपे पर क्रेडिट कार्ड से लेनदेन में 106 फीसदी का उछाल आया है। यूपीआई से लेनदेन भी 60 फीसदी बढ़ा है। कुल भुगतान में 35–50 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। ई–वे बिल 18 फीसदी बढ़ा रू त्योहारी सीजन के चलते सितंबर में ई–वे बिल 18 फीसदी बढ़कर 10.9 करोड़ पर पहुंच गया। ई–वे बिल बढ़ने का मतलब है कि इससे ज्यादा जीएसटी वसूली होगी। इसका सीधा अर्थ है कि लोगों ने त्योहारी सीजन में खरीदारी अच्छी की है। अक्तूबर के ई–वे बिल में और ज्यादा तेजी आने की उम्मीद है। 10 दिनों से खरीदी में आया तेज उछाल व्यापारियों का मानना है कि ग्राहकों ने पिछले 10 दिनों से खरीदारी तेज कर दी है। अक्तूबर से लेकर नवंबर के पहले सप्ताह तक त्योहारी सीजन और उसके बाद शादियों के लिए अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है।

15 फीसदी बढ़ सकती है कपड़ों की मांग

क्लोथिंग एंड लाइफ स्टाइल रिटेलरों और शॉपिंग मॉल के व्यापारियों का कहना है कि पिछले दो सप्ताह से कपड़ों की त्योहारी मांग वापस आने लगी है। वीमार्ट के मुताबिक, दिवाली और उसके बाद कपड़ों की खरीदारी के रुझान में तेजी आएगी। यह मांग जाड़े की शुरुआत और शादियों के सीजन तक रहेगी। सेंट्रम की रिपोर्ट के मुताबिक, त्योहारों में कपड़ों की मांग 15 फीसदी बढ़ सकती है।

कॉरपोरेट गिफ्टिंग में 134 फीसदी वृद्धि अमेजन के मुताबिक, इस माह के पहले 10 दिनों में कॉरपोरेट गिफ्टिंग में 134 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। कुल ऑर्डर 95 फीसदी और खरीदारों की संख्या 107 फीसदी बढ़ी है। इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणी में हेडफोन सबसे लोकप्रिय टेक गिफ्ट उत्पाद के रूप में उभरा है। स्नैक्स और मिठाई भी लोकप्रिय श्रेणी

1.7 गुना की सालाना वृद्धि के साथ चॉकलेट सबसे बड़ी गिफ्टिंग श्रेणी है। ड्राई फ्रूट्स हैम्पर्स में एक साल पहले की तुलना में 3.7 गुना की वृद्धि हुई है।

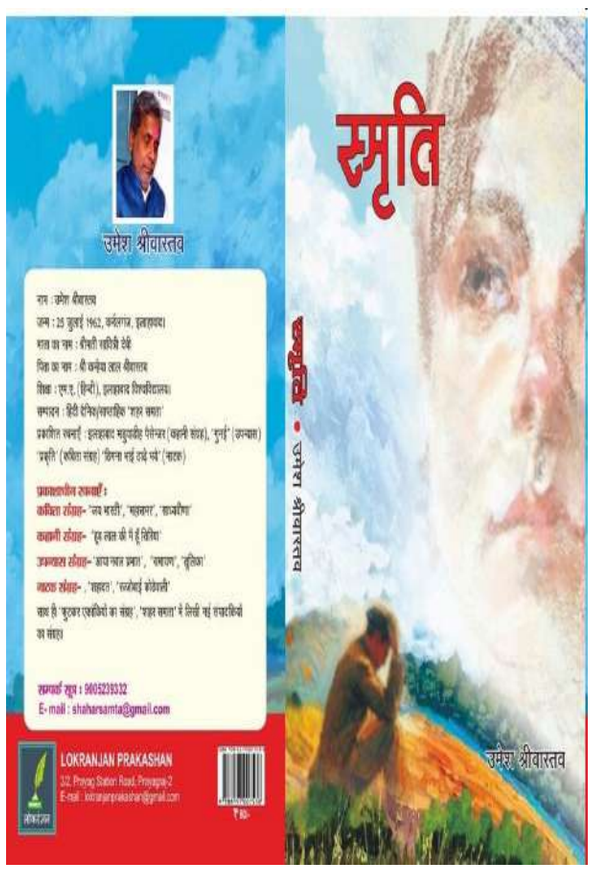

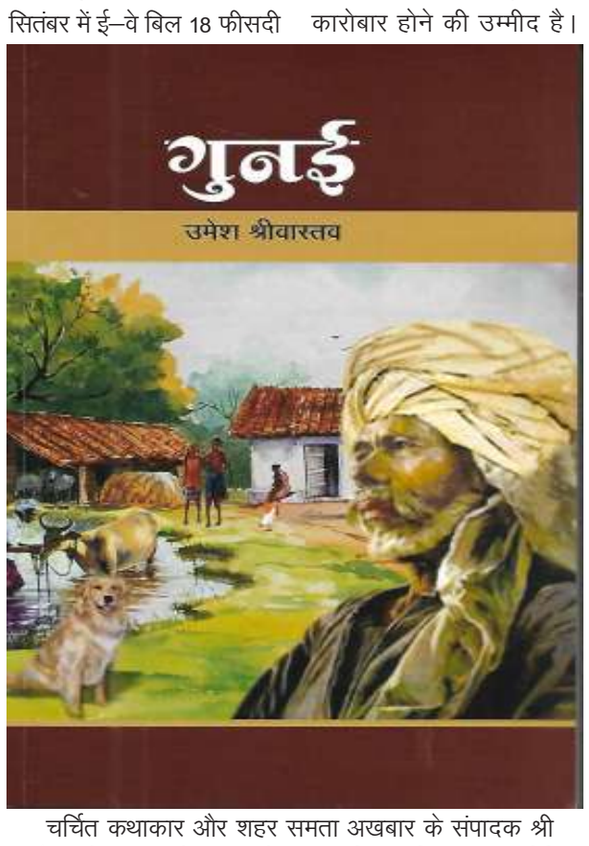

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

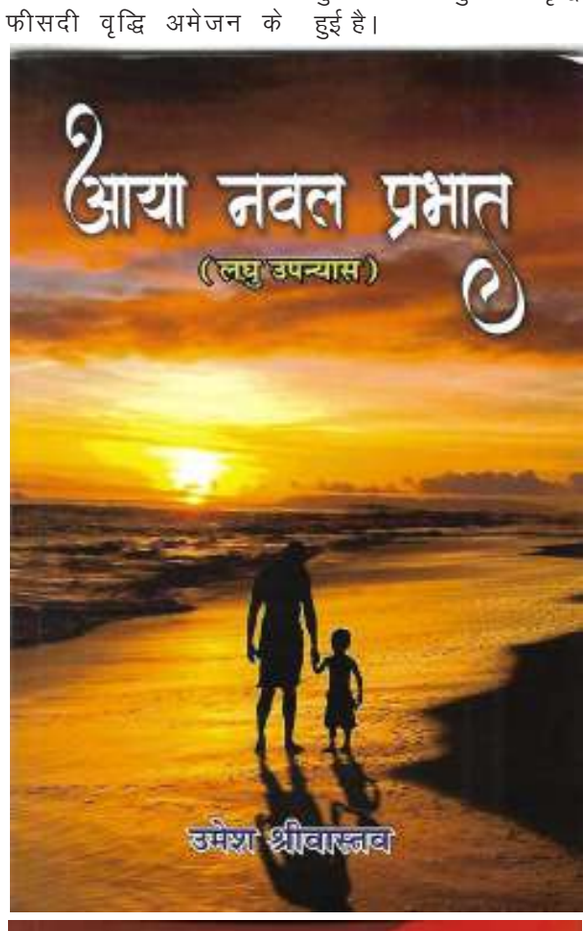

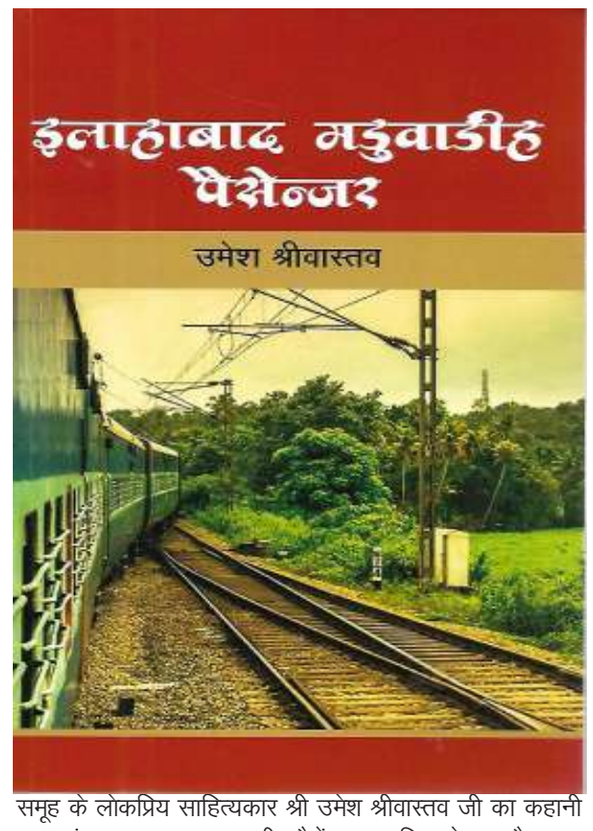

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

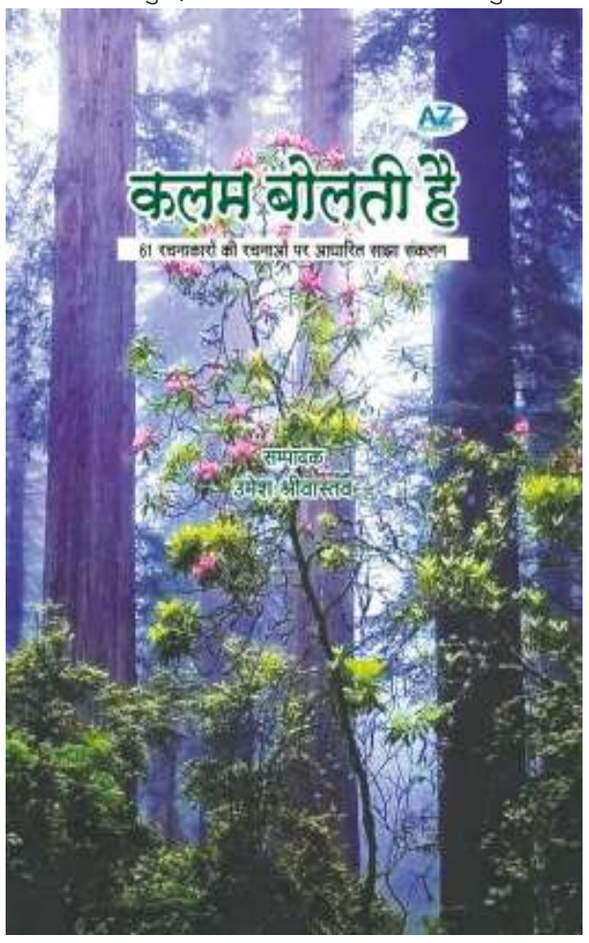

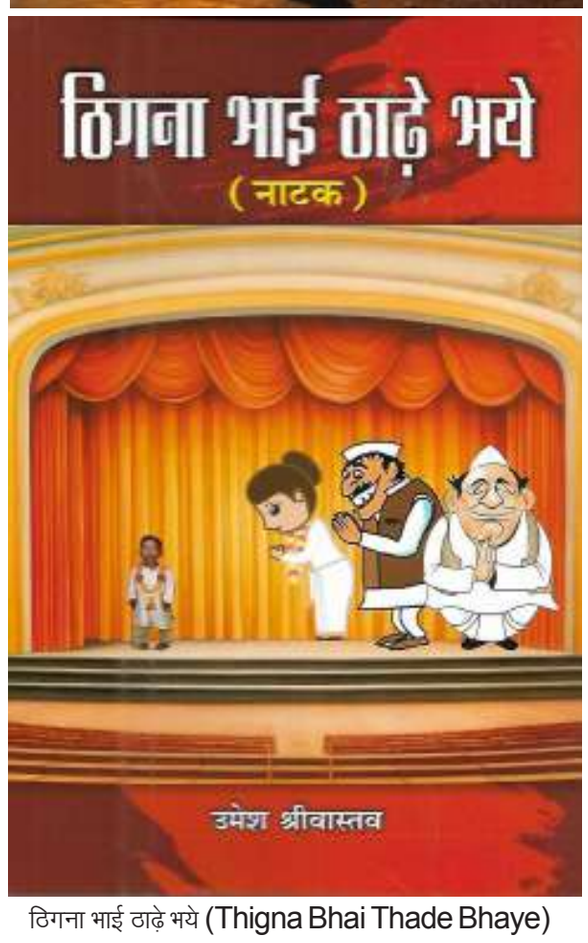

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

इमरान खान की पूर्व पत्नी जेमिमा को मिल रहीं दुष्कर्म की धमकियां, पीएमएनएल सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम और पीटीआई प्रमुख इमरान खान की पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने उनकी सेहत को लेकर चिंता जाहिर की है। जेमिमा ने इमरान खान को जेल से रिहा करने, उनके परिवार से बात करने की अनुमति देने की मांग की। जेमिमा गोल्डस्मिथ ने दावा किया कि पाकिस्तान में विरोध को शांत करने के लिए इमरान खान पर कड़े प्रतिबंध

लगाए गए हैं। जेमिमा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में ये आरोप ऐसे वक्त लगाए हैं, जब पाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक चल रही है।

इमरान खान बीते एक साल से भी ज्यादा समय से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ कई मामले चल रहे हैं। एससीओ बैठक के दौरान किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन को रोकने और सुरक्षा कारणों से पंजाब की सरकार ने 7 अक्तूबर से लेकर 18 अक्तूबर तक इमरान खान के किसी से भी मिलने पर रोक लगा दी थी। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए जेमिमा गोल्डस्मिथ ने लिखा कि बीते कुछ वर्षों से पाकिस्तान की सत्ताधारी पार्टी पीएमएलएन के समर्थकों द्वारा उन्हें सोशल मीडिया पर प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्हें दुष्कर्म की धमकियां मिल रही हैं।

जेमिमा ने इमरान को अलग–थलग करने का लगाया आरोप

ब्रिटेन की नागरिक जेमिमा गोल्डस्मिथ ने साल 1995 में इमरान खान से शादी की थी और साल 2004 में दोनों का तलाक हो गया था। दोनों की शादी से दो बेटे हैं, जो ब्रिटेन में रहते हैं। जेमिमा ने जेल में इमरान खान को अलग–थलग करने का आरोप लगाया और दावा किया कि जेल में इमरान की सेल की बिजली बंद कर दी गई है और उन्हें अपनी सेल से बाहर निकलने की भी इजाजत नहीं है। साथ ही उनके रसोइये को भी छुट्टी पर भेज दिया गया है। जेमिमा ने इस पर चिंता जाहिर करते हुए ये भी कहा कि पाकिस्तान की सरकार ने इमरान खान के भांजे हसन नियाजी को भी बीते साल से ही हिरासत में लिया हुआ है और इमरान की बहनों को भी हाल ही में गिरफ्तार कर लिया गया। जेमिमा ने बताया कि इमरान के बेटों को भी अपने पिता से बात करने नहीं दी जा रही है। जेमिमा ने कहा कि पीटीआई के कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है और सरकार विरोध के स्वर को दबाना चाहती है।

नाइजीरिया में पेट्रोल टैंकर में विस्फोट से 94 लोगों की मौत, 50 घायल : पुलिस

नाइजीरिया में एक पेट्रोल टैंकर के पलट जाने और उसमें विस्फोट होने से 90 से अधिक लोगों की मौत हो गई तथा 50 अन्य घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब दर्जनों लोग ईंधन लेने के लिए वाहन की ओर दौड़े थे। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता लॉन एडम ने बताया कि यह विस्फोट मध्य रात्रि के बाद जिगावा राज्य में हुआ, जब टैंकर चालक ने विश्वविद्यालय के निकट राजमार्ग पर वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया। एडम ने कहा, "जब विस्फोट हुआ, तब निवासी पलटे हुए टैंकर से ईंधन निकाल रहे थे। विस्फोट के बाद टैंकर में भीषण आग लग गई और 94 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

एयर इंडिया के यात्रियों को लेकर कनाडाई वायुसेना का विमान अमेरिका पहुंचा, कल मिली थी बम से उड़ाने की धमकी

ओटेवा। 15 अक्तूबर यानी कल कई विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इस धमकी के बाद हड़कंप मच गया और सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गई थीं। विमानों को नजदीकी एयरपोर्ट पर उतारा गया और उसके बाद गहन जांच की गई। जिन विमानों को उड़ाने की धमकी मिली थी उसमें दिल्ली से शिकागो के लिए उड़ान भरने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ।प्127 भी थी। इसे सुरक्षा खतरे की जानकारी के बाद एहतियाती तौर पर कनाडा के इकालुइट एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया था। हालांकि, अब अच्छी खबर यह है कि इस विमान में फंसे यात्रियों को कनाडाई वायुसेना के एक विमान ने शिकागो पहुंचा दिया है। बम की धमकी मिलने के कारण विमान को इकालुइट एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया था। इसके बाद कनाडाई वायुसेना के एक विमान ने एयर इंडिया के विमान में फंसे यात्रियों को लेकर शिकागो की ओर उड़ान भरी। बता दें, विमान में चालक दल के 20 सदस्य समेत 211 यात्री सवार थे। विमान को इकालुइट ले जाने के 18 घंटे से अधिक समय बाद यात्रियों को शिकागो ले जाया गया। एयर इंडिया ने बुधवार को जानकारी दी की 15 अक्तूबर को कनाडा के इकालुइट की ओर डायवर्ट की गई उड़ान AI127 के यात्री अपने गंतव्य यानी शिकागो जा रहे हैं। यात्रियों को कनाडाई वायुसेना के विमान से ले जाया जा रहा है। विमान ने इकालुइट से तीन बजकर 54 मिनट (वैश्विक समय रात करीब 11 बजकर 54 मिनट पर) पर उड़ान भरी थी। एक अधिकारी ने बताया कि यात्री हाथ में ले जा सकने वाले सामान के साथ कनाडाई वायु सेना के विमान में सवार हुए हैं। बाकी का उनका सामान एयर इंडिया के एक विमान से शिकागो ले जाया जाएगा।

क्या है मामला?

दिल्ली से शिकागो जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में बम की अफवाह के बाद उसे कनाडा के इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया था। हालांकि जांच के बाद बम से उड़ाने की खबर अफवाह निकली। बताया जा रहा कि सोशल मीडिया के जरिए किसी ने कई विमानों को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। इससे पहले जयपुर से अयोध्या होते हुए बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया की एक और फ्लाइट को भी बम की अफवाह मिली थी।

क्या बोली थी एयर इंडिया?

बम की धमकियों के बाद एयर इंडिया ने बयान जारी किया था। एयर लाइंस ने कहा था कि बम की धमकियों के कारण शिकागो जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ।प 127 को डायवर्ट कर दिया गया है।

'दो अरब महिलाएं सामाजिक सुरक्षा व कल्याण योजनाओं के दायरे से बाहर', संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा

संयुक्त राष्ट्र ने एक चौंकाने वाली रिपोर्ट पेश की है। इसमें दावा किया गया है कि विश्वभर में दो अरब से अधिक महिलाओं व लड़कियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। महिला सशक्तिकरण मामलों के लिए यूएन संस्था (यून वूमन) ने 17 अक्तूबर को 'अंतरराष्ट्रीय निर्धनता उन्मूलन दिवस' से ठीक पहले प्रकाशित एक नई रिपोर्ट में ये निष्कर्ष साझा किए।

सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की हो रही कोशिश

रिपोर्ट के अनुसार, साल 2015 के बाद से अब तक महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों में कुछ सफलता मिली है। मगर अधिकांश विकासशील देशों में इसकी कवरेज की खाई चौड़ी होती जा रही है। ऐसी योजनाओं का लाभ गैर–आनुपातिक ढंग से पुरुषों को मिल रहा है, जिससे लैंगिक समानता पर केंद्रित पांचवें टिकाऊ विकास लक्ष्य को पूरा करने के प्रयासों पर जोखिम मंडरा रहा है। जीवन के हर चरण व आयु वर्ग में निर्धनता का सामना करने वाले लोगों में महिलाओं व लड़कियों की संख्या सबसे अधिक है। बच्चों का लालन–पोषण करने वाले वर्षों में यह विसंगति सबसे अधिक नजर आती है। 25 से 34 वर्ष आयु वर्ग में, पुरुषों की तुलना में महिलाओं द्वारा अत्यधिक निर्धनता का सामना करने की संभावना 25 फीसदी तक अधिक होती है।

निर्धनता से जूझ रहीं महिलाएं

जलवायु परिवर्तन और हिंसक टकराव के कारण यह असमानता बढ़ रही है। स्थायित्वपूर्ण देशों की तुलना में संवेदनशील हालात वाले क्षेत्रों में महिलाओं के अत्यधिक निर्धनता से जूझने की आशंका, साढ़े सात गुना तक अधिक होती है।

महंगाई के कारण भोजन व ऊर्जा की कीमतों में उछाल

2022 के बाद से अब तक मुद्रास्फीति की ऊंची दर के कारण भोजन व ऊर्जा की कीमतों में उछाल आया है, जिसका महिलाओं पर विशेष रूप से असर हुआ है। इसके बावजूद, 171 देशों की सरकारों द्वारा अपनाए गए एक हजार से अधिक सामाजिक सुरक्षा उपायों में, केवल 18 प्रतिशत महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा पर लक्षित हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, यह सीधे तौर पर दर्शाता है कि अक्सर लैंगिक परिप्रेक्ष्य, विशिष्ट जरूरतों और संवेदनशीलताओं को नजरअंदाज कर दिया जाता है।

मातृत्व योजनाओं का लाभ भी नहीं ले पा रहीं 63 फीसदी महिलाएं

एक अनुमान के अनुसार, विश्व भर में 63 फीसदी से अधिक महिलाएं मातृत्व योजनाओं के लाभ के बिना ही बच्चों को जन्म दे रही हैं। सब–सहारा अफ्रीका में यह आंकड़ा 94 फीसदी है। मातृत्व अवकाश के दौरान वित्तीय समर्थन का अभाव है, जिससे महिलाएं आर्थिक दृष्टि से एक बड़ी चुनौती को झेलने के लिए मजबूर होती हैं। साथ ही, उन्हें अक्सर अपने व बच्चों के स्वास्थ्य व कल्याण के साथ समझौता करना पड़ता है और निर्धनता फिर कई पीढ़ियों तक जारी रहती है।

प्रगति के मिल रहे संकेत

कुछ देशों में सामाजिक सुरक्षा लाभ के क्षेत्र में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने पर बल दिया जा रहा है। मंगोलिया में मातृत्व अवकाश के दायरे में अनौपचारिक श्रमिकों, जैसे कि गडेरियों को भी लाया गया है। बच्चों की देखभाल के लिए लैंगिक समानता को समर्थन देने के इरादे से, पितृत्व अवकाश व्यवस्था को भी मजबूती प्रदान की गई है। वहीं, सेनेगल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा का विस्तार किया गया है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सके।

अब अपने देश में आरएसएस पर बैन लगाएगा कनाडा ? ट्रूडो के खास सिख नेता ने की मांग

कनाडा की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता जगमीत सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने सरकार से कनाडा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने और प्रतिबंध लगाने की मांग की है। कनाडा और भारत के बीच बढ़ते राजनयिक तनाव के बीच, सिंह की मांगों ने चल रहे राजनीतिक तूफान को और बढ़ा दिया है। खालिस्तानी आंदोलन के समर्थक जगमीत सिंह ने कनाडा सरकार से भारत के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। राजनयिक प्रकरण के बारे में प्रतिक्रिया देते हुए जगमीत सिंह ने कहा कि हम भारत के राजनयिकों को निष्कासित करने के आज के फैसले का समर्थन करते हैं और हम कनाडा सरकार से भारत के खिलाफ राजनयिक प्रतिबंध लगाने, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नेटवर्क (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान कर रहे हैं। इसके साथ ही सिंह ने कहा कि कनाडा की धरती पर संगठित आपराधिक गतिविधि में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए सबसे गंभीर परिणाम भुगतने के लिए प्रतिबद्ध है।

कौन हैं जगमीत सिंह

जगमीत सिंह का जन्म 2 जनवरी, 1979 को स्कारबोरो, ओंटारियो में हुआ था। कनाडा की वामपंथी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता हैं और एक प्रमुख कनाडाई संघीय राजनीतिक दल का नेतृत्व करने वाले अल्पसंख्यक वर्ग के पहले व्यक्ति हैं। उनके माता–पिता बेहतर अवसरों की तलाश में पंजाब, भारत से कनाडा आ गए। राजनीति में प्रवेश करने से पहले, उन्होंने ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में एक वकील के रूप में काम किया। सिंह ने 2011 में ओंटारियो के लिए प्रांतीय संसद (एमपीपी) के सदस्य के रूप में सार्वजनिक कार्यालय में प्रवेश किया, 2017 तक सेवा की और ओंटारियो की विधायिका में पगड़ी पहनने वाले पहले सिख बन गए। अक्टूबर 2017 में एनडीपी के नेता बनकर राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि हासिल की।

भारत ने वीजा देने से किया था इनकार

2019 में सिंह को ब्रिटिश कोलंबिया के बर्नाबी साउथ के लिए संसद सदस्य के रूप में चुना गया था। सिंह एक स्वतंत्र सिख राज्य खालिस्तान के लिए अपने मुखर समर्थन और भारत सरकार, विशेषकर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना के कारण एक विवादास्पद व्यक्ति रहे हैं। चरमपंथियों के साथ उनके कथित संबंधों के कारण 2013 में उन्हें भारत का वीजा देने से इनकार कर दिया गया था।

कुर्सी बचाने के लिए खालिस्तान समर्थक को खुश रखना मजबूरी

साल 2019 में कनाडा में आम चुनाव हुए थे। ट्रूडो ने चुनाव में जीत तो दर्ज कर ली थी लेकिन वो सरकार नहीं बना सकते थे। उनकी लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा को 157 सीटें मिली थी। विपक्ष की कंजरवेटिव पार्टी को 121 सीटें हासिल हुई थीं। ट्रूडो के पास सरकार बनाने के लिए बहुमत नहीं था। सरकार बनाने के लिए उन्हें 170 सीटों की दरकार थी। जिसकी वजह से ट्रूडो की पार्टी ने कनाडा के चुनाव में 24 सीटें हासिल करने वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) का समर्थन लिया। इस पार्टी के मुकिया जगमीत सिंह है जो खालिस्तान आंदोलन के बड़े समर्थक हैं। ट्रूडो के लिए सत्ता में रहने का मतलब जगमीत को खुश रखना।

ट्रूड्रो और जगमीत के बीच का समझौता

चुनाव के बाद सिंह और ट्रूडो ने कॉन्फिडेंस एंड सप्लाई एग्रीमेंट को साइन किया था। ये समझौता 2025 तक लागू रहने की बात कही गई थी। पिछले साल जब विपक्ष ने कनाडा के चुनावों में चीन के हस्तक्षेप की जांच की मांग की और ट्रूडो पर जबरदस्त अटैक बोला गया। लेकिन उस वक्त जगमीत सिंह की एनडीपी पीएम के लिए ढाल बनकर खड़ी रही। ट्रूडो के समर्थन से सुरक्षित सिंह भारत के खिलाफ और खालिस्तानी मुद्दे के समर्थन में आगे बढ़ते जा रहे हैं।

जयशंकर को देखते ही खिल उठे पाकिस्तानी पीएम और विदेश मंत्री के चेहरे, हाथ पकड़कर फोटो खिंचवाने ले गए शहबाज

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर इस वक्त पाकिस्तान में हैं और वो इस वक्त एससीओ की बैठक वहां हिस्सा लेने पहुंचे हैं। जब से पाकिस्तान की धरती पर भारत के विदेश मंत्री पहुंचे हैं सिर्फ और सिर्फ इस बैठक में उन्हीं की चर्चा है। सबसे बड़ी बात ये है कि एससीओ की बैठक से ज्यादा इस बात की चर्चा हो रही है कि पाकिस्तान भारत के विदेश मंत्री का स्वागत कैसे कर रहा है। तभी तो हर मौके पर भारत को खास तरजीह देता पाकिस्तान दिख रहा है। चाहे बात डिनर की हो या फिर एससीओ मीटिंग की हर जगह पाक के पीएम ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को देखते हुए अपना हाथ आगे बढ़ा दिया। इससे साफ तौर पर ये समझ में आता है कि पाकिस्तान भारत से अपने संबंध सुधारना चाहता है। तभी तो एससीओ मीटिंग की तस्वीरें सामने आने पर साफ नजर आया कि जब एस जयशंकर पहुंचते हैं तो कैसे पाकिस्तानी पीएम और उनके विदेश मंत्री का चेहरा खिलखिला जाता है। दोनों मुस्कुराते हुए एक दूसरे का स्वागत करते हैं, उनसे बातें करते हैं। फिर मीटिंग की तरफ बढ़ने से पहले पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ विदेश मंत्री एस जयशंकर से कहते हैं आइए तस्वीरें खिचवाते हैं। फिर जिस जगह पर तस्वीरें खींची जानी है वहां भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तानी पीएम के साथ पहुंचते हैं। इस दौरान भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री फिर एक बार भारत के विदेश मंत्री की तरफ हाथ बढ़ाते हैं और वे उनसे हाथ मिलाते हैं। जाहिर तौर पर पाकिस्तान बार बार ये संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि वो तो भारत से दोस्ती करने को आतुर है और यही भाव–भंगिमा पाकिस्तान के पीएम की तरफ से प्रदर्शित भी की जा रही है। लेकिन एक बात साफ भारत कह चुका है कि आतंक और दोस्ती व बातचीत एक साथ नहीं हो सकते। पाकिस्तान को आंतक के खिलाफ खड़ा होना पड़ेगा। भारत की आवाज मेंआवाज मिलानी पड़ेगी। कश्मीर के मामले में भी उसे पीओके खाली करना पड़ेगा। तभी जाकर रिश्ते सुधर सकते हैं। वरना भारत ने साफ किया है कि पाकिस्तान में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है। जयशंकर के पाकिस्तान के लिए रवाना होने से पहले भारत ने कहा कि वह एससीओ की विभिन्न प्रणालियों में सक्रियता से शामिल है। पाकिस्तान 15 और 16 अक्टूबर को एससीओ के शासन प्रमुखों की परिषद (सीएचजी) के दो दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

पाकिस्तान की राह पर चल रहा कनाडा, खालिस्तान प्रेम में कहीं उसी तरह अलग-थलग न हो जाए

पहले दुनिया में एक ही आतंकवादी देश पाकिस्तान हुआ करता था। लेकिन अब एक और देश कनाडा उस लिस्ट में खुद को शामिल कराने के लिए बेकरार नजर आ रहा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कनाडा को वैसा ही जवाब दिया है जैसा भारत अक्सर पाकिस्तान को देता है। वजह है कनाडा की ट्रूडो सरकार जिसने पाकिस्तान की तरफ चरमपंथ को बढ़ाने का फैसला किया है। लेकिन भारत ने एक फैसला लेकर चरमपंथियों का इलाज शुरू कर दिया है। सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत और कनाडा के संबंध बद से बदतर होते जा रहे हैं। भारत ने कनाडा से भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा समेत अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया। इसके साथ ही भारत ने कनाडा के छह राजनयिकों को देश से निष्कासित भी कर दिया। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो वैसे तो पिछले कई साल से देश की बागडोर संभाल रहे हैं। लेकिन लगता है कि इसके बावजूद उन्हें विदेश नीति की एबीसीडी की भी पूरी जानकारी नहीं है। कनाडा में अपने चुनावी फायदे के लिए भारत से दुश्मनी तो सिर्फ बानगी है ट्रूडो ने इससे बड़े बड़े कारनामे किए हैं। बात अगर भारत संग संबंधों की करें तो कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने खालिस्तानी प्यार में भारत जैसे भरोसमंद साथी को उकसा दिया। खालिस्तान टाइगर फोर्स के प्रमुख हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारतीय एजेंट पर लगाकर ट्रूडो कनाडा में चुनाव जीतना चाहते हैं। कनाडा का कहना है कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार का हाथ है। हालांकि कनाडा अभी तक कोई ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं कर सका। जस्टिन ट्रूडो की कूटनीतिक अज्ञानता का सबूत है कि जो मसले बंद कमरे में सुलझते हैं उसपर वो सार्वजनिक बयानबाजी कर रहे हैं। कनाडा की धरती पर हुए हिंसा के मामले में भारत सरकार का संबंध होने के आरोपों की जांच कर रहे देश के राष्ट्रीय पुलिस बल रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के प्रमुख ने यहां के सिख समुदाय से आगे आने और जांच में सहयोग का अनुरोध किया है। नयी दिल्ली में सूत्रों ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उन आरोपों को भी खारिज किया कि भारत उनके देश में कनाडाई नागरिकों को निशाना बनाकर गुप्त अभियान चलाने जैसी गतिविधियों में संलिप्त है। भारत ने निज्जर की हत्या की जांच से राजदूत को जोड़ने के कनाडा के आरोपों को खारिज करते हुए सोमवार को छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित करने और वहां से अपने उच्चायुक्त को वापस बुलाने की घोषणा की थी।

हैरिस ने चुनाव प्रचार के दौरान अश्वेत लोगों से भेदभाव का मुद्दा उठाया

डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने भेदभावपूर्ण प्रवर्तन नीतियों से निपटने के लिए कानून लाने पर जोर देते हुए मंगलवार को आगाह किया कि रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप कठोर पुलिसिंग हथकंडों को ''संस्थागत'' बनाने की कोशिश करेंगे जिसका देशभर में अश्वेत पुरुषों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। रेडियो कार्यक्रम 'द ब्रेकफास्ट क्लब' के मेजबान चार्लामेगने से बातचीत में हैरिस ने कहा कि वह मारिजुआना को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए काम करेंगे जिसके कारण सबसे ज्यादा अश्वेत लोगों की गिरफ्तारियां होती हैं। साथ ही उन्होंने माना कि अश्वेत लोगों से रोजमर्रा की जिंदगी में नस्लीय भेदभाव किया जाता है।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।